प्रधानमंत्री ने दार्जिलिंग क्षेत्र में वर्षा और भूस्खलन के असर के बीच सहायता का आश्वासन दिया

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

भूकंप के झटकों से दहला जापान, लोगों में मचा हड़कंप

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 279 | रायपुर | सोमवार 06 अक्टूबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

शिवाजी महाराज के अनुयायी ही औरंगाबाद का नाम संभाजीनगर और अहमदनगर का नाम अहिल्यानगर रख सकते हैं

मोदी सरकार सहकारी गन्ना मिलों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाकर किसान कल्याण का कार्य कर रही है

एजेंसी

सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में प्रवर चीनी फैक्ट्री की विस्तारित क्षमता का लोकार्पण और पद्मश्री डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल जी व पद्मभूषण बालासाहेब विखे पाटिल जी की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे और श्री अजित पवार और केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इससे पहले केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने शिरडी साईं धाम में साईं बाबा के दर्शन कर सभी देशवासियों की सुख और समृद्धि की कामना की।

अहिल्यानगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि शिवाजी महाराज के अनुयायी ही औरंगाबाद का नाम संभाजीनगर और अहमदनगर का नाम अहिल्यानगर रख सकते हैं, औरंगजेब के अनुयायियों में इतनी हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बार महाराष्ट्र में किसानों की 60 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि और फसल भारी वर्षा से बरबाद हो गई है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में केन्द्र के शेयर के तहत 3,132 करोड़ रुपये महाराष्ट्र को दिए गए हैं, जिसमें से 1631 करोड़ रुपये मोदी सरकार ने अप्रैल माह में ही दे दिए थे। श्री शाह ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार की श्री देवेन्द्र फडणवीस, श्री एकनाथ शिंदे और श्री अजित पवार की त्रिमूर्ति ने भी किसानों की मदद के लिए कई सारी पहल की हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 2215 करोड़ रुपये का राहत पैकेज दिया जिससे 31 लाख से अधिक किसानों को मदद मिली। श्री शाह ने कहा कि 10 हज़ार रूपए नकद और 35 किलो खाद्यान्न देने का इनीशियेटिव भी महाराष्ट्र सरकार ने लिया। उन्होंने कहा कि शॉर्ट टर्म फायनांस के ऋण की वसूली पर रोक लगाई, भूराजस्व और स्कूली परीक्षा में भी छुट्ट दी गई। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की ओर से वे महाराष्ट्र सरकार को आश्वस्त करते है कि राज्य सरकार एक डिटेल्ड रिपोर्ट भेज दे और प्रधानमंत्री मोदी जी महाराष्ट्र के किसानों की मदद करने में ज़रा भी देरी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सब इसीलिए संभव हुआ है क्योंकि महाराष्ट्र की जनता ने किसानों की चिंता करने वाली सरकार चुनी है। श्री अमित शाह ने कहा कि आज यहां पद्मश्री डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल जी और पद्मभूषण बालासाहेब विखे पाटिल जी की आदमकद प्रतिमाओं का अनावरण हुआ है। पद्मश्री विखे पाटिल जी ने अपना पूरा जीवन इस क्षेत्र और पूरे महाराष्ट्र के किसानों के कल्याण में लगा दिया। उन्होंने कहा कि डॉ विट्ठलराव विखे पाटिल जी भारत के सहकारिता के आदिपुरुषों में से एक थे।

महाराष्ट्र के सहकारिता के इतिहास में पद्म श्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल, धनंजय राव गाडगिल और बैकुंठ भाई मेहता की त्रिमूर्ति ने राज्य में सहकारिता की नींव डालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पद्मश्री पाटिल ने पूरी दुनिया में एक प्रकार से सबसे पहली कोऑपरेटिव चीनी मिल शुरू करने का काम किया और इसके कारण न सिर्फ महाराष्ट्र, बल्कि गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के किसान समृद्ध हुए। श्री शाह ने कहा कि चीनी मिलों का मुनाफा व्यापारियों के घर में जाने के बजाय किसानों के बैंक अकाउंट में जाने की व्यवस्था के पुरोधा पद्म श्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल जी थे।

स्वदेशी भावना से दिवाली मनाएं, गोवा 2035-2037 तक पूर्ण विकसित हो जाएगा - शाह

संवाददाता

नई दिल्ली , केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों से स्वदेशी भावना से दिवाली मनाने और भारतीय वस्तुओं को बढ़ावा देने का आग्रह करते हुए स्वदेशी अपनाने और विदेशी वस्तुओं का त्याग करने की बात कही। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ नागरिकों का यह सामूहिक संकल्प देश को सर्वोच्च बनाएगा। अमित शाह ने गोवा में महाजे घर योजना के शुभारंभ और विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में एक जनसभा को संबोधित किया। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केंद्रीय मंत्री और उत्तरी गोवा के सांसद श्रीपद नाइक और राज्यसभा सदस्य सदानंद शेत तनावड़े भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। महाजे घर योजना के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, यह योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं है। यह उत्तरदायी शासन का प्रतीक है। यह एक संवेदनशील और नागरिक-केंद्रित प्रशासन का प्रतिनिधित्व करती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भाजपा की सरकारें सुधारों के लिए सावधानीपूर्वक काम करती हैं। उन्होंने कहा, इस योजना का उद्देश्य गोवा के उन नागरिकों को कानूनी मान्यता और स्वामित्व अधिकार प्रदान करना है जिनके घर विभिन्न कानूनी उलझनों, कुल मिलाकर लगभग 11 कानूनी जटिलताओं में फंसे हुए थे। कल से, वे गर्व से कह सकेंगे कि यह मेरा घर है। यह सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो राज्य की लगभग आधी आबादी को स्थायी और कानूनी आवाज प्रदान करता है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, जब भाजपा गोवा में लगातार जीतने लगी, तो कांग्रेस कहती थी कि यह बहुत छोटा राज्य है।

आस्था के महापर्व छठ को लेकर रेखा सरकार ने शुरू की ऐतिहासिक और भव्य तैयारियां

नई दिल्ली ,एजेंसी

आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज यमुना तट पर बने घाटों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने नौका द्वारा यमुना के प्रवेश द्वार पल्ला से लेकर आईटीओ तक छठ पूजा की व्यवस्था से जुड़े घाटों की स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से इस बार छठ पर्व पहले से अधिक भव्य और सुविधाजनक तरीके से मनाया जाएगा। मुख्यमत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार शहर के भीतर भी बनने वाले सैकड़ों छठ घाटों पर सभी तरह की तैयारी सुनिश्चित कर रही है।

छठ गीतों से मुख्यमंत्री का हुआ स्वागत - इस दौरे में मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह, श्री कपिल मिश्रा, विधायक श्री अभय वर्मा सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, जप्त करने का आदेश जारी

मध्य प्रदेश में 14, राजस्थान में 3 बच्चों की मौत

एजेंसी महाराष्ट्र सरकार ने भी कोल्ड्रिफकफसिरप के बेचने और इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी. रविवार (5 अक्टूबर) को जारी आदेश में कहा गया है कि जहां भी इस प्रोडक्ट का स्टॉक हो उसको फ्रीज (जब्त) किया जाए. मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत के बाद महाराष्ट्र सरकार ने ये फैसला लिया है. आदेश में कहा गया है कि महाराष्ट्र खाद्य एवं औषध प्रशासन को मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की दुखद मौत की सूचना मिली. इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, सभी लाइसेंसधारियों और आम जनता को तुरंत कोल्ड्रिफ सिरप (बैच नं. स्क्र 13) की बिक्री, वितरण या उपयोग बंद करने के निर्देश दिए जाते हैं. गौरतलब है कि 'जहरीले' कफसिरप को पीने से बच्चों की मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है. मध्य प्रदेश में अबतक 14 बच्चों की मौत हो चुकी है जबकि राजस्थान में 3 बच्चों की मौत से हड़कंप मचा है. मध्य प्रदेश में 14 बच्चों की मौत होने के बाद कोल्ड्रिफ कफ सिरप सवालों के घेरे में है. सबके मन में एक ही सवाल है कि कफ सिरप पीने से आखिर बच्चों की मौत क्यों हो गई?

22 नवंबर से पहले बिहार चुनाव, पूरे देश में लागू होगा एसआईआर

एजेंसी।

पटना. बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर सुगबुगाहट तेज हो चली है. चुनाव आयोग दो दिनों के बिहार दौरे पर था. इस दौरान तमाम राजनीतिक दलों के साथ बैठक की. इसके साथ ही चुनाव तैयारियों की समीक्षा बैठक की. इस बैठक में राजनीतिक दलों ने चुनाव की तारीखों को लेकर अपने सुझाव दिए थे. इस बैठक में चुनाव आयोग से बीजेपी 2 फेज में चुनाव कराने की मांग की थी. चीफ इलेक्शन कमिश्नर (ईसीआई) ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार में एसआईआर पूरी तरह सफल रहा है. चुनाव आयुक्त ने कहा कि 22 नवंबर से पहले ही चुनाव कराए जाएंगे.

चुनाव आयुक्त ने बताया कि अब मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई बदलाव किए गए हैं. इसमें

आयोग ने टेक्नोलॉजी का भी सहारा लिया है. बूथ पर भीड़ को काबू करने के भी इंतजाम किए गए हैं. किसी भी बूथ पर 1200 से ज्यादा वोटर नहीं होंगे. इसके अलावा अब बूथ तक मोबाइल ले जा सकेंगे. बूथ सेंटर से 100 मीटर की दूरी पर पोलिंग एजेंट बैठ सकेंगे.

उन्होंने आगे बताया कि प्रत्याशियों की कलर फोटो लगाई जाएगी. सभी बूथों पर चुनाव प्रक्रिया लाइव दिखाई जाएगी. वोटर लिस्ट में हर जानकारी साफ और स्पष्ट होगी. चुनाव आयोग ने वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है. इससे लोगों को हर तरह की जानकारी मिलेगी. चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में स्ट्रक्र पूरी तरह से सफल रहा है. अब बिहार के बाद पूरे देश में इसे कराया जाएगा.

चुनाव आयुक्त ने की मतदान की अपील चुनाव आयोग ने बिहार में रविवार को बैठक की. अब दोपहर दो बजे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान सीईसी कुमार के साथ-साथ एस.एस संधु और विनीत जोशी भी मौजूद रहे. चुनाव आयोग के बिहार दौरे का आज आखिरी दिन भी है. इस दौरान उन्होंने बताया कि अब बिहार चुनाव को लेकर क्या-क्या तैयारियां की गई हैं. इसके साथ ही उन्होंने लोगों से मतदान करने की अपील की है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं अनुशासनहीनता के विरुद्ध सीएम भजनलाल शर्मा की कठोर कार्रवाई

जयपुर ,मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य सरकार सरकारी काम-काज में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की भावना के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में राजकीय कार्य के निष्पादन में लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार के दोषी कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। राजकीय सेवाओं में अनुशासन और ईमानदारी के लिए सर्वोपरि स्थान सुनिश्चित करने के क्रम में राज्य सरकार द्वारा कुल 15 प्रकरणों में 28 कार्मिकों के विरुद्ध विभिन्न अनुशासनात्मक कार्यवाहियां की गई हैं।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों को रिश्वत लेने एवं नियम विरुद्ध कार्य करने के प्रकरणों में मुख्यमंत्री के निर्देश पर निलम्बित किया गया है।

मोहन भागवत ने पीओके को 'भारत के घर का कमरा' बताया, बोले- इसे वापस लेना होगा

श्रीनगर संवाददाता। मोहन भागवत ने पीओके को 'भारत के घर का कमरा' करार देते हुए उसे वापस लेने की आवश्यकता पर बल दिया, जो ऐसे समय में आया है जब पीओके में पाकिस्तानी शासन के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यह बयान भारत की संप्रभुता और अखंड भारत की दीर्घकालिक आकांक्षा को रेखांकित करता है, जिसमें स्थानीय लोगों की आर्थिक राहत और राजनीतिक सुधारों की मांग शामिल है। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने पीओके को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए इसे 'भारत नाम के एक घर का

एक कमरा' कहा, जिसमें 'अजनबी लोग घुस आए हैं।' समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, मध्य प्रदेश के सतना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि इस 'कमरे को वापस लेना होगा।'

आरएसएस प्रमुख ने अपनी बात को एक दृष्टांत से समझाया। उन्होंने कहा, 'पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहां मेरी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्जा कर लिया है। कल, मुझे उसे वापस लेना होगा।' इस बयान पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाई। भागवत ने अविभाजित भारत के विचार पर भी बल दिया। उन्होंने सभा में मौजूद सिंधी समुदाय के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, 'कई सिंधी भाई यहां बैठे हैं। मैं बहुत खुश हूं। वे पाकिस्तान नहीं गए; वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहां भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं।'

विश्व | एक सप्ताह में बंधकों की घर वापसी संभव

मिस्र कराएगा इजरायल और हमास की मध्यस्थता बैठक

एजेंसी। काहिरा , संवाददाता।

गाजा में युद्धविराम के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर सहमति बनने के बाद अब बंधक बनाए लोगों की जल्द घर वापसी होगी। सभी इजरायली बंदियों और फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली को लेकर इजरायल और हमास के प्रतिनिधिमंडलों की सोमवार को होने वाली बैठक की मेजबानी मिस्र करेगा। यह जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय ने दी।

मिस्र ने उम्मीद जताई है कि ये बैठक लगातार दो वर्षों से जारी संघर्ष और फिलिस्तीनी लोगों की पीड़ा को खत्म करने में मदद करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को उम्मीद जताई कि गाजा में

बंद सभी इजरायली बंधकों को कुछ ही दिनों में रिहा किया जा सकता है।

नेतन्याहू ने कहा, हम एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के कगार पर हैं। अभी यह अंतिम नहीं है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आगामी सुक्कोट अवकाश के दौरान हम गाजा पट्टी में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखते हुए सभी जीवित और मृत बंधकों की रिहाई सुनिश्चित कर पाएंगे। सुक्कोट एक सप्ताह तक चलने वाला यहूदी अवकाश है, जो सोमवार शाम से शुरू हो रहा है।

नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल वार्ता को कुछ ही दिनों तक सीमित रखना चाहता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रस्ताव के दूसरे चरण में हमास को हथियार छोड़ने होंगे और गाजा पट्टी का विसैन्यीकरण किया जाएगा, चाहे वह सैन्य कार्रवाई से हो या कूटनीतिक माध्यम से। हालांकि इजरायल के वित्त मंत्री बेज़ालेल स्मोट्रिच ने नेतन्याहू के फैसले को एक गंभीर भूल बताया है। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने कहा कि अगर सभी बंधकों की रिहाई के बाद भी हमास का अस्तित्व बना रहता है तो उनका गुट सरकार का हिस्सा नहीं होगा। इजराइली मीडिया के अनुसार, नेतन्याहू ने दोनों मंत्रियों को समझौते का समर्थन करने के लिए मनाने के लिए एक तत्काल बैठक बुलाई है।

नेपाल में भारी बारिश से हाहाकार, अब तक 47 की मौत

टोक्यो एजेंसी।

नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण अलग-अलग भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 47 लोगों की जान चली गई है। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। हिमालयी देश के सुरक्षा एजेंसियों के आंकड़ों के मुताबिक, बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरने और सड़क हादसों जैसी आपदाओं में 13 अन्य व्यक्ति घायल भी हुए हैं। साथ ही 11 लोगों के लापता होने की खबरें सामने आई हैं, जिसकी पुष्टि एपीएफ के संयुक्त प्रवक्ता शैलेंद्र थापा ने की।

मोदी ने नेपाल में मूसलाधार वर्षा के कारण हुई जान-माल की हानि पर शोक व्यक्त किया प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में आज मूसलाधार वर्षा के कारण हुई जान-माल की हानि और व्यापक क्षति पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस कठिन समय में नेपाल की जनता और सरकार के प्रति भारत के अटूट समर्थन को दोहराया। श्री मोदी ने संकट के समय में एक मित्रवत पड़ोसी और प्रथम सहायता प्रदाता के रूप में राष्ट्र की भूमिका का उल्लेख करते हुए, सभी प्रकार की आवश्यक सहायता प्रदान करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा: नेपाल में मूसलाधार वर्षा के कारण हुई जान-माल की हानि और क्षति दुखद है। हम इस कठिन समय में नेपाल की जनता और सरकार के साथ हैं। एक मित्रवत पड़ोसी और प्रथम सहायता प्रदाता के रूप में, भारत हर प्रकार की आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्वी इलाम जिले में सबसे ज्यादा हादसे एपीएफके संयुक्त प्रवक्ता शैलेंद्र थापा ने बताया कि भारत सीमा से सटे पूर्वी इलाम जिले में अलग-अलग घटनाओं से 28 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि बाढ़ में बहने से नौ अन्य व्यक्ति लापता हैं, जबकि देश के विभिन्न हिस्सों में बिजली गिरने की घटनाओं में तीन और लोगों की जान गई। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता शांति महात ने लापता लोगों की तलाश के लिए चल रहे बचाव अभियान की जानकारी दी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, सीमा पार भारत के पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग क्षेत्र में भारी वर्षा से भूस्खलन होने पर कम से कम सात लोगों की मौत हुई है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका, अमेरिकी अदालत ने पोर्टलैंड में 200 नेशनल गार्ड की तैनाती पर लगाई रोक

वॉशिंगटन । अमेरिकी संघीय न्यायालय ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर 18 अक्टूबर तक अस्थायी रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि हाल के विरोध प्रदर्शनों को 'विद्रोह' नहीं कहा जा सकता और ये प्रदर्शन कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा नहीं हैं। पोर्टलैंड की जिला जज करिन इमरगुट ने यह आदेश जारी करते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया जिससे यह साबित हो सके कि पोर्टलैंड में हालात इतने बिगड़े हों कि नेशनल गार्ड की तैनाती जरूरी हो। उन्होंने यह भी माना कि संघीय सरकार की यह कार्रवाई राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है।

यह फैसला ट्रंप के लिए करारा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वे डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले उन शहरों में भी सेना भेजना चाहते हैं जिन्हें वे अराजक बताते हैं। दिलचस्प बात यह है कि जज इमरगुट को ट्रंप ने ही अपने पहले कार्यकाल में नियुक्त किया था। ओरेगन के अटॉर्नी जनरल कार्यालय के वकीलों ने कोर्ट में दलील दी कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन छोटे और शांतिपूर्ण रहे हैं। उनके अनुसार, 19 जून तक सिर्फ 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया था और पिछले तीन महीनों में कोई नई गिरफ्तारी नहीं हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने प्रतिक्रिया में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने हिंसक दंगों और संघीय संपत्तियों पर हमलों से निपटने के लिए अपने वैध अधिकारों का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि उच्च न्यायालय इस फैसले को पलट देगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने महंत रामसुन्दर दास और महापौर मीनल चौबे बैडमिंटन हाल का लोकार्पण किया

रायपुर। लोकशक्ति। आज रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने राजधानीवासियों को एक और शानदार सौगात दी.

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने दूधाधारी मठ के महंत रामसुन्दर दास और रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे सहित नगर निगम सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, एमआईसी सदस्य श्री मनोज वर्मा, श्री दीपक जायसवाल, श्री भोलाराम साहू, श्री नंदकिशोर साहू, जोन 6 जोन अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता, पार्षद श्रीमती स्वप्निल मिश्रा,श्री प्रमोद कुमार साहू, सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति के पदाधिकारियों, खेल संघ पदाधिकारियों, नगर निगम जोन 6 अधिकारियों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, महिलाओं, आमजनों के मध्य ऐतिहासिक रावणभाठा मैदान से लगकर अधोसंरचना मद और रायपुर दक्षिण विधायक निधि से लगभग 37 लाख रूपये में नवनिर्मित बैडमिंटन हाल का लोकार्पण फीता काटकर करते हुए और बैडमिंटन खेलकर शानदार सौगात दी.

रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने नागरिकों को नवरात्रि पर्व के दौरान नया बैडमिंटन हाल मिलने पर हार्दिक बधाई दी और वहाँ सामने मैदान में बास्केटबॉल कोर्ट बनाकर मैदान को सुव्यवस्थित करने आवश्यक कार्यवाही शीघ्र करने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को मंच से दिए.

महंत रामसुन्दर दास ने कहा कि दूधाधारी मठ रायपुर में रावणभाठा मैदान में लगातार 150 वर्षो से दशहरा उत्सव आयोजन सफ्लतापूर्वक करता आ रहा है.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नागरिकों को नया बैडमिंटन हाल मिलने पर बधाई दी और कहा कि नागरिकों को भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के फ्टि इंडिया अभियान मैं जुड़कर जीवन में स्वस्थ रहने का संकल्प लेकर नए बैडमिंटन हाल का समुचित रखरखाव करने में सहभागी बनना चाहिए.

इस अवसर पर सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति रावणभाठा की ओर से दशहरा मैदान में पूजा की गयी, जिसमें रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, महंत रामसुन्दर दास, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, एमआईसी सदस्य सर्वश्री मनोज वर्मा, दीपक जायसवाल, भोलाराम साहू, नंदकिशोर साहू, ज़ोन 6 जोन अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता, पार्षद श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, श्री प्रमोद कुमार साहू सहित गणमान्यजन, आमजन बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

विधायक मोतीलाल साहू ने इम्पीरियल हाइट्स कबीर नगर में किया भूमिपूजन

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 8 के अंतर्गत पण्डित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 के अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड के इम्पीरियल हाइट्स आवासीय परिसर में विविध सकारात्मक सांस्कृतिक गतिविधियां करने रंगमंच का निर्माण शीघ्र करने हेतु 4 लाख 50 हजार रूपये की लागत से नये विकास कार्य का श्रीफ्ल फोड़कर और कुदाल चलाकर रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि श्री मैकमिलन साहू, पण्डित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद श्री भगतराम हरबंश, इम्पीरियल हाइट्स आवासीय परिसर के रहवासियों, जोन 8 के सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया. ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने परिसर में लोक कलाकारों की सुविधा हेतु कक्ष निर्माण करने ग्रामीण विधायक निधि से राशि देने की घोषणा की।

पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने डुमरतालाब में दो नए सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर दी सौगात

रायपुर -आज प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 7 के अंतर्गत ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 22 के अंतर्गत कुकुरबेडा में विधायक निधि मद से 10 लाख रूपये और डुमरतालाब में अधोसंरचना मद से 10 लाख रूपये की लागत से जनहित में जनपयोग हेतु रायपुर नगर निगम जोन 7 लोक कर्म विभाग द्वारा निर्मित दो नए सामुदायिक भवनों का फीता काटकर रायपुर नगर निगम लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, एमआईसी सदस्य श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 22 की पार्षद श्रीमती मीना ठाकुर, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड पार्षद श्री आशु चंद्रवंशी, मण्डल अध्यक्ष श्री गुड्डू तिवारी सहित जोन 7 जोन कमिश्नर श्री राजेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री

ईश्वर लाल टावरे, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, आमजनों की उपस्थिति में शानदार सौगात दी.

रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने डुमर तालाब शीतला मन्दिर के पास 15 लाख रूपये में विधायक निधि से शेड निर्माण करवाए जाने की मंच से घोषणा की. उन्होंने डुमर तालाब के सौंदर्यीकरण हेतु प्रस्ताव शीघ्र देने जोन 7 अधिकारियों को निर्देशित किया. साथ ही मथुरा नगर के श्री राधा कृष्ण मन्दिर के पास सौंदर्यी करण करवाने के सम्बन्ध में निर्देश दिए.

रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने वार्ड के रहवासियों को नए सामुदायिक भवनों का डुमरतालाब और कुकुरबेड़ा में लोकार्पण होने पर हार्दिक बधाई दी और नए सामुदायिक भवनों का पूर्ण सदुपयोग कर उसके समुचित रखरखाव में सहभागी बनने की रहवासियों से अपील की।

महापौर मीनल चौबे की अगुवाई में हरियालीयुक्त बनाने किया सघन पौधरोपण

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के निर्धारित स्थानों पर राजधानी शहर रायपुर को हरित स्मार्ट सिटी बनाने सघन पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है. पौधरोपण अभियान में रायपुर शहर को हरीतिमायुक्त बनाने यंग इंडियन ग्रुप के युवा जुड़ गए हैं. आज रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे की अगुवाई में मियांवाकी योजना अंतर्गत रायपुर नगर निगम पर्यावरण और उद्यानिकी विभाग के तत्वावधान में राजधानी शहर के पंडरी एक्सप्रेस वे मार्ग के बाजू में नगर निगम पर्यावरण और उद्यानिकी विभाग के अध्यक्ष श्री भोलाराम साहू की विशेष उपस्थिति सहित निगम उपायुक्त उद्यान श्री जसदेव सिंह बाबरा, कार्यपालन अभियंता उद्यान श्री गजाराम कँवर की उपस्थिति में एक्सप्रेस वे मार्ग पंडरी के बाजू में लगभग 500 मीटर क्षेत्र में सघन पौधरोपण अभियान का शुभारम्भ महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने पर्यावरण और उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष श्री भोलाराम साहू सहित यंग इंडियन ग्रुप के युवाओं के साथ सीताफ्ल, अमरुद, कटहल, गुलमोहर एवं अन्य विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर किया गया.

वहाँ एक्सप्रेस वे मार्ग पंडरी के बाजू में लगभग 500 मीटर क्षेत्र में विविध प्रजातियों के लगभग 1500 पौधे व्यवस्थित तौर पर रोपित किये जायेंगे. साथ ही लगाए गए प्रत्येक पौधे की वृक्ष बनते तक सुरक्षा और देखभाल मियांवाकी योजना के मानकों के अनुसार समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से रायपुर को हरित राजधानी शहर बनाने की जाएगी.

बेटिंग एप 777 एक्सचेंज से ऑनलाईन सट्टा संचालित करते यश ईलेक्ट्रानिक का संचालक सटोरिया संजय करमचंदानी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर श्री अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को जुआ एवं सट्टा पर पूर्णरूपेण अंकुश लगाने हेतु जुआ, सट्टा एवं ऑन लाईन सट्टा संचालित करने वालों की पतासाजी कर उन पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में दिनांक 01.10.25 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना तिल्दा नेवरा क्षेत्रांतर्गत बनियापारा गुरूकृपा काम्पलेक्स स्थित यश ईलेक्ट्रानिक का संचालक अपने दुकान में महिला वर्ल्ड कप के न्यूजीलैंड बनाम आस्ट्रेलिया मैच के दौरान मोबाईल फोन में ऑनलाईन सट्टा संचालित कर रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तिल्दा नेवरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त दुकान में जाकर दुकान में उपस्थित व्यक्ति से पूछताछ करने पर व्यक्ति ने अपना नाम संजय करमचंदानी होना बताने के साथ ही स्वयं को दुकान का संचालक होना भी बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें मोबाईल फोन को चेक करने पर उसके द्वारा महिला वर्ल्ड कप के न्यूजीलैंड बनाम आस्ट्रेलिया मैच के दौरान बेटिंग एप 777 एक्सचेंज के माध्यम से ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा संचालित करना पाया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी संजय करमचंदानी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सट्टा संचालन में प्रयुक्त 02 नग मोबाईल फोन, नगदी रकम 5000/-रू, 03 नग एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्रायविंग लाईसेंस कीमती लगभग 45,000/रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 439/2025 धारा 4(क) सार्वजनिक द्यूत अधि0, छ0ग0 संशोधन अधिनियम 1976 तथा छ0ग0 जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। गिरफ्तार आरोपी - संजय करमचंदानी पिता अशोक करमचंदानी उम्र 43 साल स्थायी पता गुरूनानक वार्ड झूलेलाल मंदिर के सामने वाली गली कटनी थाना सिटी कोतवाली जिला कटनी म0प्र0। हाल पता - वृंदावन कॉलोनी कोहका रोड तुलसी थाना तिल्दा नेवरा जिला रायपुर।

ऑपरेशन साइबर शील्ड के अंतर्गत कार्यवाही, 500 से अधिक बैंक अकाउंट में करोड़ों रुपए ट्रांजैक्शन की जानकारी मिली है

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज श्री अमरेश मिश्रा के निर्देशानुसार म्यूल बैंक अकाउंट धारक/संवर्धक/ब्रोकर/ठगी के लिये खाता उपलब्ध कराने वालों के विरूद्ध कार्यवाही जारी हैपुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज श्री अमरेश मिश्रा द्वारा साइबर क्राईम पोर्टल में रिपोर्टेड म्यूल बैंक अकाउंट की जांच करने हेतु योजना तैयार कर रेंज साइबर थाना को जांच एवं कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है।

गोल चौक एवम कटोरातालाब कुल दो स्थानों पर रेड की कार्यवाही की गई आफ्सि को सील किया गयानिर्देशानुसार साइबर क्राईम पोर्टल में रिपोर्टेड म्यूल बैंक अकाउंट के विरुद्ध थाना डी डी नगर में ॥ष्ठस्नष्ट बैंक में खुले 79 म्यूल बैंक अकाउंट पर अपराध क्रमांक 424/25 एवं थाना आजाद चौक में साउथ इंडियन बैंक में खुले 17 म्यूल बैंक अकाउंट पर 283/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) भारतीय न्याय

संहिता पंजीबद्ध कर विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा की जा रही है।

विवेचना कार्यवाही में साइबर क्राईम पोर्टल की रिपोर्ट, बैंक खाता में हुए ट्रांजेक्शन, एक ही व्यक्ति के अधिक बैंक अकाउंट एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मैट्रिमोनियल साइट बनाकर लोगों को वर वधू का फ्र्जी फोटो दिखाकर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले लोगों को चिन्हांकित कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।कार्यवाही के दौरान गोल चौक डगनिया में जीवन जोड़ी, रॉयल रिश्ते के नाम से बनाए गए फ्र्जी कार्यालय एवं कटोरा तालाब में ई रिश्ता के नाम से बनाए गए फ्र्जी कार्यालय में रेड किया गया।आरोपियों से पूछताछ एवं उनके मोबाइल के तकनीकी विश्लेषण से जानकारी प्राप्त हुई है की इनके द्वारा चीन नागरिकों के लिए देश के विभिन्न शहरों में व्याप्त साइबर अपराधियों के नेटवर्क के माध्यम से मनी लाउंड्रिंग के लिए म्युल बैंक एकाउंट्स का लेनदेन किया जाता था। म्युल एकाउंट का कंट्रोल क्ब के माध्यम से किया जाता था। बैंक खाता में हुए ट्रांजेक्शन की रकम के मुताबिक सभी को उनका कमीशन मिलता था।बैंक से भी ऐसे म्यूल बैंक अकाउंट की लगातार जानकारी प्राप्त की जा रही है, जिसमें बड़ी मात्रा में या असामान्य ट्रांजैक्शन हो रहे हैं। आरोपियों से पूछताछ में और भी बहुत से लोगों के नाम सामने आये हैं जो इन बैंक खातों का उपयोग ठगी करने के लिये करते थे। म्यूल बैंक अकाउंट प्रकरण में संलिप्त सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। प्रकरण में व्यापक अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

विधायक मोतीलाल साहू ने 10 लाख रूपये में सड़क, नाली बनाने विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर। आज रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के अंतर्गत रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड क्रमांक 55 के तहत लालपुर सिंचाई कॉलोनी में विकास शुल्क मद से 10 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से नए विकास कार्यों का श्रीफ्ल फोड़कर और कुदाल चलाकर वार्ड पार्षद श्री विनय प्रताप सिंह ध्रुव, वार्ड के रहवासियों, जोन 10 जोन कमिश्नर श्री विवेकानंद दुबे की उपस्थिति में भूमिपूजन करते हुए प्रारम्भ करवाया. ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने जोन 10 जोन कमिश्नर को तत्काल स्वीकृति अनुसार विकास शुल्क मद से नई सड़क और नाली निर्माण का कार्य प्रारम्भ करवाकर सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्तायुक्त तरीके से नए विकास कार्य को पूर्ण करवाने निर्देशित किया है।

मुरिया दरबार में शिरकत किये अमित शाह

लाल बाग मैदान पर लगी प्रदर्शनी का करेंगे अवलोकन।

जगदलपुर। : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बस्तर दशहरा पर्व के अवसर पर जगदलपुर के सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल हुए। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के चित्र पर दीप प्रज्वलित करने के पश्चात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मांझी-चालकी से सीधा संवाद करते हुए बस्तर से माओवाद को समाप्त करने में सहयोग की अपील की।

ष्टत्र हृद्म2ह्यः बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने किया सहयोग का आह्वान

उन्होंने कहा कि माओवाद से जुड़कर हथियार उठा चुके बच्चों को समझाएं कि वे मुख्यधारा में लौटें और शासन की योजनाओं का लाभ लें। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बस्तर के विकास और नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मांझी-चालकी से संवाद करते हुए कहा कि मार्च 2026 तक बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि बस्तर के युवा डॉक्टर, इंजीनियर, डिप्टी कलेक्टर और कलेक्टर बनकर पूरे छत्तीसगढ़ की सेवा करें।

यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि युवा नक्सलवाद से न जुड़ें और जो जुड़ चुके हैं, वे आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटें। जहां-जहां नक्सलवाद समाप्त हुआ है, वहां छत्तीसगढ़ सरकार तेजी से विकास कार्य कर रही है और लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कर रही है।

मांझी-चालकी से किया सीधा संवाद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुरिया दरबार में मांझी-चालकी को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार बस्तर दशहरा पर्व को और भव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बस्तर दशहरा के लिए दी जाने वाली राशि 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये की जा रही है। साथ ही बस्तर दशहरा पर्व के परंपरागत स्थलों जिया डेरा, माडिया सराय इत्यादि के विकास और निर्माण कार्य भी सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

शासकीय कोटवारी भूमि पर अवैध प्लाटिंग व अवैध बाउंड्रीवाल को तोड़ा

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में चलाये जाने वाले टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत आज रायपुर नगर निगम जोन क्रमांक 10 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 53 के क्षेत्र में डुमरतराई में लगभग 20 हजार वर्गफीट शासकीय कोटवारी भूमि पर कब्जा कर की जा रही अवैध प्लाटिंग को निर्मित अवैध बाउंड्रीवाल को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ने की कार्यवाही रायपुर तहसीलदार श्री राममूर्ति दीवान के मार्गनिर्देशन में जोन 10 जोन कमिश्नर श्री विवेकानंद दुबे, वार्ड क्रमांक 53 के पार्षद श्री मनोज जांगड़े सहित सहायक अभियंता श्री योगेश यदु, समयपाल श्री जितेन्द्र कौशिक की उपस्थिति में करते हुए शासकीय कोटवारी भूमि पर अवैध प्लाटिंग पर तत्काल कारगर रोक लगायी गयी।

भारत को बदलते वैश्विक परिदृश्य के लिए तैयार रहना होगाः राम माधव

रायपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक, चिंतक और लेखक राम माधव ने कहा है कि विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है और भारत को इस नए दौर के अनुरूप खुद को ढालना होगा। वे छत्तीसगढ़ में आयोजित एक विशेष व्याख्यान में अपनी पुस्तक 'द न्यू वर्ल्ड 21 सेंचुरी ग्लोबल ऑर्डर एंड इंडिया' पर बोल रहे थे। यह कार्यक्रम साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद और छत्तीसगढ़ यंग थिंकर्स फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

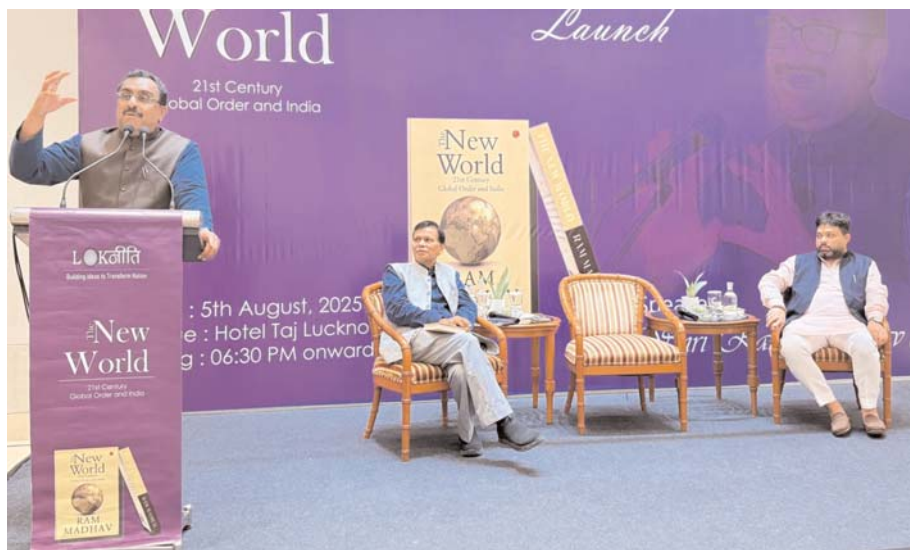

राम माधव ने कहा कि दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति में प्रवेश कर चुकी है, जिसकी नींव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर टिकी है। उन्होंने कहा, विज्ञान और तकनीक ने हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित किया है। हम एक ऐसे युग में हैं, जहां मेटा-ह्यूमन जैसी अवधारणाएं हकीकत बन रही हैं। भविष्य में रोबोट शिक्षक कक्षा में पढ़ाएंगे और वर्चुअल क्लासरूम आम बात होगी। उन्होंने भारत और चीन की तुलना करते हुए बताया कि 1980 में दोनों देशों की लगभग समान थी, लेकिन चीन ने तेज़ी से आर्थिक विकास करते हुए भारत से आगे निकल गया। उन्होंने कहा कि भारत को 21वीं सदी में अपनी भूमिका तय करने के लिए तकनीकी नवाचार, दीर्घकालिक रणनीति और आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देना होगा। राम माधव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन का ज़िक्र करते हुए कहा कि हमें यह स्पष्ट रूप से समझना होगा कि 2047 का भारत कैसा होगा, और वहां तक पहुंचने का रास्ता क्या होगा। उन्होंने कहा कि देश को भविष्य के लिए अभी से तैयार करना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राम माधव की यह पुस्तक वैश्विक सोच की दिशा में एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि भारत को नई वैश्विक व्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभानी है और इसके लिए शोध, प्रशासन और बौद्धिक संस्थाओं की बड़ी जिम्मेदारी है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य को आने वाले समय की चुनौतियों के अनुरूप नये सिस्टम की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे क्षेत्रों में नक्सलवाद की समाप्ति के बाद अब वहां विकास के लिए अलग दृष्टिकोण अपनाने की ज़रूरत है। शर्मा ने कहा, दुनिया तेजी से बदल रही है, संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं का प्रभाव भी घट रहा है। ऐसे में भारत को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र बनना होगा।उन्होंने कहा कि केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों की भावना के साथ देश को आगे बढ़ाना होगा। हम देश को केवल भाग्य भरोसे नहीं छोड़ सकते। प्रधानमंत्री ने 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है, जिसे पाने के लिए हर नागरिक को मेहनत करनी होगी, उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य अपूर्व मिश्रा ने पुस्तक की प्रमुख बातों का विस्तार से परिचय दिया। साहित्य अकादमी अध्यक्ष शशांक शर्मा ने मंच संचालन किया।

स्वदेशी आंदोलन को बढ़ावा देने एक करोड़ की लागत से खरीदे जाएंगे नवीन करघे

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वदेशी आंदोलन एवं वोकल फॉर लोकल के नारे को मुर्त रूप देने का प्रयास छत्तीसगढ़ के ग्रमोद्योग संचालनालय द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए नवीन करघे एवं अन्य सहायक उपकरण एक करोड़ की लागत से खरीदे जाएंगे।

मिली जानकारी के अनुसार ग्रामोद्योग छत्तीसगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में पंजीकृत जीएसटी आपूर्तिकर्ताओं से 100 लाख रूपए की अनुमानित राशि की निविदा आमंत्रित की गई है, इनसे अनेक स्थानों पर लघु कलस्टर विकास कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। जिसके तहत ग्रामोद्योग संचालनालय हथकरघा विभाग द्वारा विकास आयुक्त हथकरघा वस्त्र संचालनालय नई दिल्ली द्वारा संचालित राष्ट्रीय हथकरघा कार्यक्रम के तहत लघु कलस्टर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के लिए स्वीकृत क्लस्टर भखारा जिला धमतरी, अम्बागढ़ चौकी जिला मोहला मानपुर, राजनांदगांव, बसना महासमुंद, बिल्हा बिलासपुर के लिए नवीन करघे एवं अन्य सहायक उपकरण क्रय किए जाएंगे। इसके लिए विभाग द्वारा 100 लाख रूपए की अनुमानित राशि की लागत से खरीदा जाएगा। यह निविदा हथकरघा संचालनालय इन्द्रावती भवन अटल नगर में 29 अक्टूबर तक जमा करना होगा। इसके पश्चात निविदा खोली जाएगी।

ग्रामोद्योग हथकरघा संचालनालय के संचालक श्याम धावड़े द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार निविदाकर्ता यह निविदा 29 अक्टूबर को एक बजे खोली जाएगी। संचालक के अनुसार राज्य में ग्रामोद्योग को बढ़ावा देना प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। महात्मा गांधी को स्वदेशी आंदोलन को सफल बनाने के लिए यह करघे खरीदी किए जा रहे हैं। इन उपकरणों से सूत निकालकर खादी का लूम बनाया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक प्रगति होगी। छत्तीसगढ़ के विभिन्न बुनकर सहकारी समितियों में बुनकर के उन्नयन के लिए कार्यक्रम बनाया गया है, जिसके तहत अब छत्तीसगढ़ बुनकर सोसायटी आमापारा का विक्रय केन्द्र आधुनिक ढंग से बनाया गया है। यहां पर चादर, रूमाल, गमछा तथा अन्य उत्पादों में 20 प्रतिशत छूट दी जा रही है हाथकरघा संघ द्वारा 20 प्रतिशत छूट दी जा रही है।

नवमी के तीसरे दिन भी माता की मूर्तियों का श्रद्धापूर्वक विसर्जन जारी

रायपुर। राजधानी में नवमी के तीसरे दिन भी भक्तों द्वारा महादेवघाट तथा स्थानीय तालाबों में माता की मूर्ति का विसर्जन जारी रहा। बीती रात भक्तों ने प्रमुख मार्गों से आकर्षक डीजे के साथ माता का विसर्जन किया । इस अवसर पर विशेष रोशनी एवं फाटाखे फोड़े गए।

राजधानी में इस समय भक्त देवी के विर्सजन करते वक्त आकर्षक प्लास्टिक फ्लावर्स उड़ाते हैं, जिसके कारण सड़कों में प्रदूषण एवं गंदगी फैल रही है। आमापारा में चंदन से निर्मित माता का विसर्जन करने की तैयारी चल रही है। वर्षा होने के बावजूद भी भक्तों में उत्साह बना हुआ है, आकर्षक धमाल और डीजे के साथ भक्त नाचते गाते हुए निकल रहा है, जिसमें महिलाएं भी शामिल है।

नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार महादेवघाट के समीप नगर पालिक निगम के विसर्जन कुण्ड में महानवमी तिथि से आदिशक्ति की प्रतीक देवी माँ दुर्गा की मूर्तियों का श्रद्धापूर्ण विसर्जन भक्तों द्वारा किये जाने का सिलसिला सुबह से ही लगातार तीसरे दिन प्रारम्भ है। विगत रात्रि राजधानी शहर में हुई तेज बारिश के दौरान भक्तों द्वारा माँ दुर्गा की मूर्तियों का श्रद्धापूर्ण विसर्जन विसर्जन कुण्ड में लगातार किया जाता रहा। विगत दिवस दिनांक 1 अक्टूबर 2025 को सुबह 6 से आज 3 अक्टूबर 2025 की रात्रि 8 बजे तक माता भक्तों द्वारा विसर्जन कुण्ड में माँ दुर्गा की 614 मूर्तियों का विसर्जन श्रद्धापूर्वक किया जा चुका है.उल्लेखनीय है कि भक्तों की सुविधा की दृष्टि से नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड स्थल पर क्रेन, गोताखोर, प्रकाश, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी आवश्यक प्रबंध महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर किये गए हैं. दिनांक 2 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से दिनांक 5 अक्टूबर को सुबह 6 बजे तक विसर्जन कुण्ड स्थल पर चक्रीय आधार पर जोन की टीमों की ड्यूटी लगायी गयी है. महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर विगत दिवस महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड स्थल पर माँ दुर्गा की मूर्तियों के श्रद्धापूर्ण विसर्जन की प्रशासनिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण नगर निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय ने नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव सहित जोन क्रमांक 1 और जोन क्रमांक 8 के नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में करते हुए आवश्यक निर्देश नगर निगम जोन 1 और 8 के सम्बंधित अधिकारियों को दिए।

राजधानी से लगे गांवों में भू-माफिया आवासीय कालोनी बनाने खरीद रहे जमीन,नगर निवेशक से मांगा भवन अनुज्ञ प्रमाण पत्र

कचना, सड्डू में भी दो एकड़ में कालोनी विकास हेतु मिली अनुमति

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी बनते ही रायपुर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से आवासी कालोनी बनाने का काम शुरू हो गया है। रायपुर नगर निगम द्वारा कचना अमलीडीह, हीरापुर, तेन्दुआ तथा अन्य गांवों में भू-माफियाओं द्वारा भूखण्डों एवं फ्लेट के निर्माण के लिए भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी करने के लिए रायपुर नगर निवेशक के पास बड़ी संख्या में आवेदन आए हैं। रायपुर नगर निगम के निवेशक द्वारा मिली जानकारी के अनुसार राजधानी रायपुर के आसपास विभिन्न डेव्हलपर्स द्वारा भूमि विकास भू खंडीय एवं नियमित कालोनी बनाने के लिए अनुमति मांगी जा रही है, जिससे कालोनाईजर लाइसेंस कहा जाता है। राजधानी रायपुर के पश्चिम तथा दक्षिण और उत्तर के विधानसभा क्षेत्र के आने वाले जनप्रतिनिधियों की इसमें भागीदार है। इसमें इस समय अमलीडीह एक जातीय

समुदाय के लोग काफी सक्रिय हो गए हैं, जिसके चलते यहां पर भूखण्डों के दाम आसमान छू रहे हैं।

गोंदवारा, गुढ़ियारी में भू-माफियाओं का कब्जा : राजधानी के गोंदवारा, गुढ़ियारी सहित अन्य क्षेत्रों में इस समय एक भू-माफिया काफी सक्रिय है, वहीं तेन्दुआ, बानी, गुमा में भी एक कालोनाइजर्स द्वारा एक कालोनी बनाई जा रही है। नगर निवेशक के अनुसार मिली जानकारी के अनुसार विभिन्न डेव्हलपर्स के द्वारा विभिन्न कालोनी निर्माण के लिए आवेदन दिए जाते है, इसमें प्लेट क्रमांक एवं रकबा का ब्यौरा दिया जाता है, समाज के कमजोर वर्गों के लिए भी जमीन आरक्षित करने का प्रावधान रखा गया है। ग्राम सड्डू में ब्रिजेश साहू, सुनील साहू द्वारा विधानसभा रोड कचना सड्डू में दो हेक्टेयर भूमि आवासीय भूखण्ड कालोनी के लिए मांगी गई है। नगर निवेशक के अनुसार इस संबंध में अगर किसी को आपत्ति है, वह अपनी आपत्ति जारी कर सकता है। इसके अलावा बोरियाखुर्द, काठाडीह सहित अन्य गांवों में भी भू-माफियों की नजर लगी हुइ है।

सिलिंग एक्ट में फंसी आवासीय जमीन: राजधानी के विभिन्न गृह निर्माण सिमियों में इस समय सिलिंग एक्ट के तहत कई जमीन फंसी हुई, जिसको लेकर जमीन खरीदने वाले एवं बेचने वाले के बीच विवाद चल रहा है। जिसके चलते पूरा मामला इस समय कोर्ट में है। कॉलेज निर्माण समिति तथा अन्य समितियों के भी मामले इसी पेंच में है।

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महा संगठन ने अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

अम्बिकापुर । छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन ने अपनी लंबित मांगों को लेकर कलेक्टर को सौपा ज्ञापन सौपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि ड्राइवर महासंगठन अपनी मूलभूत एवं महत्वपूर्ण मांगों को लगातार सरकार तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य पर पूर्ण रूप से शराब बंदी ड्राइवर आयोग का गठन ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड की स्थापना इसके अलावा बीएनएस की धारा 105 को समाप्त किया जाए संगठन के पदाधिकारीयों ने तर्क दिया कि दुर्घटना अचानक टायर फटने से वाहन में मैकेनिकल खराबी आ जाने से सड़क की स्थिति प्रकृतिकूल न होने से दुर्घटना घटित हो सकती है ऐसी घटना ड्राइवर के बिना लापरवाही से भी घटित हो सकता है ऐसी स्थिति में चालक को सीधे बीएनएस की धारा 105 के तहत 10 वर्ष का कारावास देना सही नहीं है वाहन चालक का जीवन हमेशा खतरों से भरा रहता है प्रतिदिन हजारों यात्रियों को एवं सामग्रियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचने का उत्तरदायित्व ड्राइवर निभाते हैं।

अपर आयुक्त यू. एस. अग्रवाल को सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

रायपुर। विगत दिनांक 30 सितम्बर 2025 को सेवानिवृत्त हुए रायपुर नगर पालिक निगम के अपर आयुक्त श्री यू. एस. अग्रवाल नगर निगम रायपुर को दी गयी सेवाओं हेतु नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप सहित नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा आज संध्या नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित नगर निगम सामान्य सभा सभागार में सम्मानित किये गए।

आयुक्त श्री विश्वदीप ने सेवानिवृत्त अपर आयुक्त श्री यू. एस. अग्रवाल को मंच पर श्रीफल, शाल, स्मृतिचिन्ह, अवकाश नगदीकरण राशि का धनादेश प्रदत्त कर बुके प्देते हुए सम्मानित किया.आयुक्त ने सेवानिवृत्त अपर आयुक्त को नगर निगम रायपुर के हित में राजस्व विभाग में राजस्व वसूली हेतु श्रेष्ठ कार्य करने पर सराहा.आयुक्त ने मंच पर बुलाकर श्री यू. एस. अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती अग्रवाल और सुपुत्र श्री

अग्रवाल का आत्मीय स्वागत किया.अपर आयुक्त श्रीमती कृष्णा खटिक ने श्रीमती अग्रवाल को शाल प्रदत्त कर सम्मानित किया।

रायपुर नगर निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ ने सेवानिवृत्त अधिकारी श्री यू. एस. अग्रवाल को मंच पर गजमाला पहनाकर नगर निगम रायपुर के सेवारत 536 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिलवाने कमेटी के अध्यक्ष के रूप में अविलम्ब त्वरित निर्णय लेने रिपोर्ट नगर निगम आयुक्त को देने के लिए सराहते हुए श्री यू. एस. अग्रवाल का सम्मान किया. नगर निगम की संगी मितान सेवा समिति द्वारा अध्यक्ष और नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के ओ एस डी श्री निशिकांत वर्मा के नेतृत्व में श्रेष्ठ सेवा रायपुर नगर निगम को देने पर स्मृति चिन्ह प्रदत्त कर सम्मानित किया. अपर आयुक्त कार्यालय के श्री रुपेश भस्मे सहित सभी कर्मचारियों ने श्री यू. एस. अग्रवाल का गजमाला पहनाकर आत्मीय सम्मान किया.श्री यू. एस. अग्रवाल ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सहयोग देने हार्दिक धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी को सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण से कर्तव्व निर्वहन करना चाहिए. अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, श्रीमती कृष्णा खटिक, मुख्य अभियंता श्री यू. के. धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री राजेश राठौर, पी. राजेश नायडू, संजय बागड़े, जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रु व, श्री विवेकानंद दुबे, उपायुक्त श्री जसदेव सिंह बाबरा, कार्यपालन अभियंता श्री अंशुल शर्मा जूनियर, रायपुर नगर निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ के अध्यक्ष श्री प्रमोद जाधव, आईटी विशेषज्ञ श्री रंजीत रंजन ने श्री यू. एस. अग्रवाल के साथ कार्य को लेकर उन्हें सराहा. अपर आयुक्त श्री पंकज शर्मा सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री यू. एस. अग्रवाल को बुके देकर सम्मानित किया।

आदिम जाति विकास विभाग अब नहीं बनेगा अन्य विभागों की योजनाओं का क्रियान्वयन एजेंसी, शासन ने लगाया पूर्ण प्रतिबंध

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन ने आदिम जाति विकास विभाग से जुड़े अधिकारियों को लेकर एक अहम निर्णय लिया है। अब विभाग के अधिकारियों को अन्य विभागों की योजनाओं या अतिरिक्त मदों के तहत काम करने के लिए क्रियान्वयन एजेंसी नहीं बनाया जाएगा। इस पर अगला आदेश आने तक पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

इस संबंध में आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों और सहायक आयुक्तों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि यह निर्णय विभागीय कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप, देरी, नियमों की अनदेखी और छवि को नुकसान से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है। प्रमुख सचिव ने अपने आदेश में उल्लेख किया है कि पूर्व में जिलों में डीएमएफ, सीएसआर, सांसद-विधायक निधि और अन्य योजनाओं के तहत कई बार आदिवासी विकास विभाग के अधिकारियों से अन्य विभागों के कार्य भी कराए गए। इसके लिए विभाग के सहायक आयुक्त या जनपद पंचायत के सीईओ को जिम्मेदारी दी

जाती रही। लेकिन अन्य विभागों के नियमों की पूरी जानकारी न होने के कारण प्रक्रियागत गलतियां सामने आईं, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली प्रभावित हुई और कई मामलों में अनियमितता, देरी और गड़बड़ियां पाई गईं। कुछ जिलों में तो इस वजह से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ ईओडब्ल्यू, ईडी और पुलिस में शिकायतें भी दर्ज हुई हैं, जिससे विभाग की साख को ठेस पहुंची है। सोनमणि बोरा ने कहा कि विभाग पहले से ही केंद्र व राज्य सरकार की कई अहम योजनाओं पर कार्य कर रहा है और सीमित संसाधनों के साथ समय पर इन्हें पूरा करना अपने आप में बड़ी चुनौती है। इसलिए निर्णय लिया गया है कि फिलहाल अन्य विभागों के कार्यों की जिम्मेदारी आदिम जाति विकास विभाग को न दी जाए।

हालांकि, यदि किसी अन्य मद से आदिवासी विकास विभाग से संबंधित ही कोई कार्य कराया जाना हो, तो उसकी प्रशासनिक और तकनीकी स्वीकृति, सामग्री की उपलब्धता (जेम पोर्टल के माध्यम से) और निविदा प्रक्रिया से जुड़ी सभी शर्तें पूरी करना जरूरी होगा। इसके अलावा अगर तकनीकी विशेषज्ञ विभाग में उपलब्ध नहीं हैं, तो जिला प्रशासन को इसकी व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

साथ ही, ऐसे कार्य जिनके लिए शासन स्तर पर पहले से किसी एजेंसी की नियुक्ति हो चुकी है (जैसे कि क्रेडा), उन्हें आदिवासी विकास विभाग से नहीं कराया जाएगा। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को समय-समय पर वित्तीय नियमों, क्रय प्रक्रिया, निर्माण कार्यों से जुड़े नियमों और जेम पोर्टल के बारे में खुद को अपडेट रखने के भी निर्देश दिए हैं। इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की बात भी कही गई है।

छत्तीसगढ़ में अब पुराने वाहनों की खरीदी-बिक्री पर नया नियम लागू कर दिया गया

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब पुराने वाहनों की खरीदी-बिक्री पर नया नियम लागू कर दिया गया है। परिवहन विभाग ने आदेश जारी करते हुए सभी प्रकार के पुराने वाहनों–चाहे वह बाइक हो, कार, ट्रक या मालवाहक–की मालिकाना हक (नामांतरण) प्रक्रिया से पहले 1 प्रतिशत टैक्स देना अनिवार्य कर दिया है। इससे दिल्ली से लाकर छत्तीसगढ़ में बेची जाने वाली लक्जरी गाड़ियों के व्यापार पर सीधा असर पड़ेगा, जो पिछले कुछ सालों से तेजी से फल-फूल रहा था।दिल्ली में 15 साल पुराने वाहनों पर प्रतिबंध के कारण, वहां की पुरानी लग्जरी गाड़ियां कम कीमत में बेची जा रही थीं। छत्तीसगढ़ में पर्यावरण मानकों में नरमी और री-रजिस्ट्रेशन की सहूलियत के चलते इन्हें आसानी से यहां चलाया जा सकता था। यही वजह थी कि रायपुर सहित प्रदेश में इन गाड़ियों का कारोबार खूब बढ़ा। लेकिन अब परिवहन विभाग के नए नियम के तहत, वाहन मालिक का नाम ट्रांसफर करने से पहले 1 फीसदी टैक्स देना अनिवार्य कर दिया गया है।अब पुराने वाहन की खरीदी-बिक्री पर शोरूम कीमत के आधार पर 1 प्रतिशत टैक्स देना होगा।उदाहरणः अगर किसी वाहन की शोरूम कीमत 10 लाख है, तो नाम ट्रांसफर से पहले 10,000 रुपये टैक्स देना होगा।यह टैक्स प्रत्येक बार नामांतरण पर लगेगा, यानी एक ही गाड़ी कितनी बार भी बिके, हर बार 1 प्रतिशत टैक्स अनिवार्य होगा। बिना टैक्स अदा किए आरटीओ के ऑनलाइन सिस्टम में नाम ट्रांसफर की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। दिल्ली की गाड़ियों पर सीधा असरदिल्ली से सस्ते दामों पर खरीदी गई लग्जरी गाड़ियां अब रायपुर में पहले जैसी मार्जिन पर नहीं बिक पाएंगी क्योंकि इन पर भी 1प्रतिशत टैक्स देना अनिवार्य कर दिया गया है। अब एजेंटों और कारोबारियों को पहले से ज्यादा लागत चुकानी पड़ेगी।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाने पर आमादा यूएस

अमेरिका ईरान के कथित परमाणु कार्यक्रम के कारण पर तत्काल और बेहद कड़े प्रतिबंध लगाने पर आमादा है। अपने सहयोगी देशों के साथ मिल कर ईरान की मुश्कें ऐसे कस देना चाहता है जिससे ईरान निकलने के लिए छटपटाता रह जाए। इस काम में उसे संयुक्त राष्ट्र का भी साथ मिल गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के कारण उस पर फिर से तत्काल प्रतिबंध न लगाने के कुछ देशों के आखिरी प्रयास को समय सीमा से एक दिन पहले ही खारिज कर दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया है जब पश्चिमी देशों ने दावा किया कि ईरान के साथ हफ्तों की बैठकों के बावजूद कोई ठोस समझौता कर पाने में उन्हें सफलता नहीं मिल पाई है। ईरान को प्रतिबंधों से बचाने का प्रयास उसके निकटतम सहयोगी रूस और चीन कर रहे हैं। दोनों देशों ने ईरान पर फिलहाल प्रतिबंध नहीं लगाने संबंधी प्रस्ताव 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को पेश किया था।

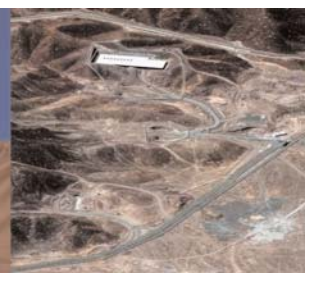

धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत नहीं बल्कि नैतिक आस्था,लोकतंत्र का आधार स्तंम्भ।

धर्मनिरपेक्षता भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील आधारशिला है। यह केवल संविधान की पंक्तियों में लिखा गया शब्द भर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जीवन का प्राणतत्व है। भारतीय राजनीति की आत्मा इसी से पोषित होती है। परंतु दुखद है कि आज धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कई बार केवल संवैधानिक औपचारिकताओं तक सीमित रह जाती है। मणिपुर और उत्तर प्रदेश जैसे प्रदेशों में साम्प्रदायिक झगड़ों की घटनाओं ने इस सिद्धांत की आत्मा को गहरी चोट पहुँचाई है और इसके संवैधानिक अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।

धर्मनिरपेक्षता का अर्थ किसी धर्म से विद्वेष रखना नहीं है, बल्कि सभी धर्मों का समान सम्मान करना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इसे ÷सर्वधर्म समभाव÷ कहा गया है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य है ङ्क राज्य और धर्म का परस्पर हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्ति और उसके अधिकारों को सर्वोच्च मान्यता देना। वहीं भारतीय संदर्भ में यह और अधिक व्यापक है–यह न केवल धर्म और राजनीति के पृथक्करण पर बल देता है, बल्कि समाज में विविध धार्मिक मतों के बीच सहिष्णुता, आदर और समान अवसर की स्थापना का भी उपक्रम करता है।भारत की आज़ादी के बाद से धर्मनिरपेक्षता ने लोकतंत्र को शक्ति दी है। यहां राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है; सब नागरिक कानून और व्यवस्था की दृष्टि से समान हैं। हर व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार धर्म अपनाने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है। संविधान का 42वां संशोधन (1976) इस भावना को और स्पष्ट करता है, जिसमें ÷पंथनिरपेक्ष÷ शब्द को प्रस्तावना में जोड़ा गया–अर्थात राज्य किसी विशेष मत को न अपनाएगा और न ही किसी धर्म के प्रति भेदभाव करेगा।महात्मा गांधी, मौलाना आज़ाद, नेहरू, पटेल और शास्त्री जैसे राष्ट्रपुरुषों ने धर्मनिरपेक्षता को केवल राजनीतिक सिद्धांत नहीं, बल्कि नैतिक आस्था माना। स्वतंत्रता संग्राम से पहले हुए सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों ने भी इस मार्ग को प्रशस्त किया। यही कारण है कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति विविधता में एकता रही है–और इस एकता का मूल मंत्र धर्मनिरपेक्षता ही है।आज भारत विकास की सीढ़ियाँ चढ़कर एक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। ऐसे समय में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम धर्मनिरपेक्षता की इस स्वस्थ परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखें। लोकतांत्रिक दलों, मीडिया, न्यायपालिका, कार्यपालिका और आम नागरिक–सभी को यह संकल्प लेना होगा कि वे इसे केवल नारों और चुनावी मुद्दों तक सीमित न रखें। क्योंकि जब-जब राजनीति ने धर्मनिरपेक्षता को अपने स्वार्थ के लिए हथियार बनाया, समाज का संतुलन बिगड़ा और आम जनता को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा।भारतीय धर्मनिरपेक्षता हमें तर्क, विवेक और स्वतंत्रता की संस्कृति देती है। यह न केवल वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करती है, बल्कि हर नागरिक को आत्मसम्मान और समान अवसर का आश्वासन भी देती है। इस दृष्टि से धर्मनिरपेक्षता भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है–जो विविधता को एकता में रूपांतरित कर, भारत को विश्व के लिए आदर्श प्रतिमान बना सकती है।आज आवश्यकता है कि इस शाश्वत सिद्धांत को केवल संविधान की पंक्तियों तक सीमित न रखकर, जीवन की प्रत्येक धारा में उतारा जाए। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और भारत का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप विश्व मंच पर प्रकाश स्तंभ की भांति जगमगाएगा।

यह निजी विचार है।

शिक्षा युद्ध मानसिकता को बदलने का सशक्त माध्यम बने

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मनाया जाता है। इस दिन आध्यापकों को सामान्य रूप से और कतिपय कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके विशेष योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा साल 1966 में यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की उस संयुक्त बैठक को याद करने के लिये मनाया जाता है, जिसमें शिक्षकों की स्थिति पर चर्चा हुई थी और इसके लिये सुझाव प्रस्तुत किये गये थे। इस दिवस को 1994 के बाद से प्रतिवर्ष लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और इस प्रकार वर्ष 2025 में यह 33वाँ विश्व शिक्षक दिवस होगा। इस साल की थीम है-'शिक्षण को सहयोगी पेशे के रूप में फिर से परिभाषित करना।' इसका मतलब है कि पढ़ाई सिर्फ एक व्यक्ति का काम नहीं होना चाहिए। शिक्षक आपस में मिलकर अनुभव शेयर करें, नई तकनीकें अपनाएं और मिलकर शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाएं। इस तरह शिक्षक न सिर्फ अपने पेशे में संतुष्ट रहेंगे, बल्कि छात्रों को भी बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। इस साल का संदेश यही है कि शिक्षा को सुधारने के लिए शिक्षण को व्यक्तिगत प्रयास से ऊपर उठाकर साझेदारी और सहयोग का पेशा बनाना होगा। जब शिक्षक मिलकर विचार साझा करेंगे और जिम्मेदारियां बांटेंगे, तभी शिक्षा अधिक प्रभावी और प्रेरक बन पाएगी। शिक्षक सिर्फ ज्ञान देने वाले नहीं होते, बल्कि वे समाज में नवाचार, समानता और परिवर्तन के बीज बोते हैं। वे बच्चों को सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस सिखाते हैं, शिक्षक ही दुनिया में शांति एवं सह-जीवन का प्रभावी सन्देश दे सकते हैं। शिक्षक को पर्याप्त सम्मान, सहयोग और अवसर मिलें तो शिक्षा के माध्यम से एक आदर्श समाज-व्यवस्था एवं शांति की विश्व-संरचना स्थापित की जा सकती है। 2025 में विश्व शिक्षक दिवस की सबसे बड़ी सभा अदीस अबाबा, इथियोपिया में आयोजित हो रही है।

विश्व शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिकता या शिक्षकों का अभिनंदन करने का अवसर भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है शिक्षा की दिशा और दशा को लेकर गहन चिंतन करने का। यह अवसर है यह विचारने का कि आज शिक्षा क्या दे रही है और क्या उसे देना चाहिए। यह अवसर है यह पूछने का कि आज की शिक्षा व्यवस्था केवल नौकरी, व्यवसाय और उपभोग की भूख को बढ़ाने का साधन क्यों बन गई है, क्यों उसमें जीवनमूल्य, नैतिकता, शांति, सहअस्तित्व और अहिंसा जैसे आधारभूत तत्व लुप्त होते जा रहे हैं। यदि शिक्षा का ध्येय केवल ज्ञानार्जन या रोजगार प्राप्ति है तो वह अधूरी है। शिक्षा का परम ध्येय है-मनुष्य को मनुष्य बनाना, उसे सह-अस्तित्व, अमन और अयुद्ध की स्थितियों के प्रति उन्मुख करना।

आज दुनिया भय, हिंसा, युद्ध और तनाव के घेरे में है। तकनीक और विज्ञान ने सुविधाएं दी हैं, लेकिन उसके साथ शस्त्र-प्रतिस्पर्धा, परमाणु हथियारों का अंबार, और हिंसक प्रवृत्तियां भी दी हैं। इस भयावह परिदृश्य में शिक्षा का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। शिक्षा को एक आंदोलन बनना होगा, एक वैश्विक अभियान बनना होगा, जो शांति, अहिंसा और अयुद्ध की भावना को संस्कार के रूप में हर हृदय में स्थापित करे। आज की शिक्षा व्यवस्था पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रभावित होकर स्पर्धा, लाभ और अहंकार की मानसिकता पैदा कर रही है। बच्चे स्कूल और कॉलेजों में डिग्री तो प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनके भीतर करुणा, दया, सत्य, मैत्री और सहयोग जैसे गुणों का विकास नहीं हो रहा। समाज का ढांचा शिक्षा से निर्मित होता है, यदि शिक्षा अधूरी है तो समाज भी अधूरा रहेगा। अतः एक ऐसी नई शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक के साथ-साथ अध्यात्म और नैतिकता का संगम हो, जिसमें 'आत्मा की आवाज़' सुनी जा सके, जिसमें शिक्षा केवल बुद्धि का पोषण न होकर हृदय और संवेदनशीलता का भी निर्माण करे।

मानवता का सबसे बड़ा संकट युद्ध और हिंसा है। युद्ध केवल सेनाओं के बीच नहीं होता, बल्कि वह हमारे विचारों में, हमारी इच्छाओं में और हमारी संस्कृति में पलता है। शिक्षा का कार्य है इस युद्ध-मानसिकता को बदलना। शिक्षा को बच्चों और युवाओं के मन में यह स्थापित करना होगा कि शक्ति का वास्तविक स्वरूप हिंसा में नहीं, बल्कि अहिंसा में है। युद्ध में नहीं, बल्कि शांति में है। महात्मा गांधी ने कहा था-÷यदि हमें शांति चाहिए तो हमें बच्चों को शांति की शिक्षा देनी होगी।÷ यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा न होकर व्यवहार का हिस्सा बने। शिक्षक स्वयं शांति के प्रतीक हों, वे अपने आचरण और जीवन से यह संदेश दें कि संघर्ष का समाधान हथियारों से नहीं, संवाद और सहमति से होता है।

शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं या संस्थागत ढांचे पर नहीं छोड़ देना चाहिए। इसे एक आंदोलन के रूप में चलाने की आवश्यकता है। यह आंदोलन अहिंसा का शिक्षण कराए, संवाद की संस्कृति विकसित करे, मानवता को जाति-धर्म और राष्ट्र की सीमाओं से परे प्राथमिकता दे, पर्यावरण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता पैदा करे और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करे। यह आंदोलन तभी सफल होगा जब शिक्षक अपनी भूमिका को समझेंगे और केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दिखाने वाले बनेंगे। वे दीपक की तरह स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश दें। उनके व्यक्तित्व में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, करुणा और सेवा का भाव झलके। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम न पढ़ाए, बल्कि जीवन पढ़ाए। एक विचारक ने कहा है-÷शिक्षक वह नहीं है जो तुम्हें तथ्यों का ज्ञान कराए, बल्कि वह है जो तुम्हें सोचने के लिए प्रेरित करे।÷ इसके लिये केवल शिक्षा-क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक-क्रांति अपेक्षित है।

आज आवश्यकता है कि शिक्षक बच्चों के हृदय को छूने वाले बने, वे केवल करियर बनाने की चिंता न करें, बल्कि चरित्र बनाने का प्रयास करें। शिक्षा रोजगारपरक ही नहीं, जीवनपरक हो। यदि दुनिया में शांति चाहिए, यदि आतंकवाद, हिंसा और युद्ध को समाप्त करना है तो हमें शिक्षा की दिशा बदलनी होगी। शांति और अहिंसा के बीज बचपन में बोने होंगे। अयुद्ध की स्थितियां केवल समझौते से नहीं, बल्कि संस्कार से पैदा होती हैं। शिक्षा को संस्कार की धारा बनना होगा। नए युग की शिक्षा व्यवस्था को यह संकल्प लेना होगा कि वह ऐसे मनुष्य तैयार करेगी जो भौतिक समृद्धि में ही नहीं, आध्यात्मिक ऊंचाई में भी आगे हों। जो हथियार न बनाएँ, बल्कि हाथों में करुणा और सहयोग का दीपक थामें। जो दूसरों के शोषण पर नहीं, बल्कि साझा सुख पर विश्वास करें।

विश्व शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा केवल शिक्षकों और छात्रों की बात नहीं है, यह समूची मानवता का प्रश्न है। शिक्षा को यदि हम सही दिशा देंगे तो यह दुनिया स्वर्ग बन सकती है। यदि गलत दिशा देंगे तो यह नर्क में बदल सकती है। आज आवश्यकता है एक वैश्विक शिक्षा-आंदोलन के साथ-साथ शिक्षक-आन्दोलन की, जिसमें हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति की भागीदारी हो। नई शिक्षा व्यवस्था वही होगी जो युद्ध की संस्कृति को बदलकर शांति की संस्कृति स्थापित करे, हिंसा की प्रवृत्तियों को बदलकर अहिंसा की चेतना जगाए, और स्वार्थ की जगह सहयोग को जीवन का मूल मंत्र बनाए। यही शिक्षा का सच्चा उत्सव होगा, यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश।

संघ शताब्दी वर्ष पर विशेष आलेख : राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

हितानंद शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा वास्तव में राष्ट्र जागरण की ध्येय यात्रा है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते बाड़ा में रोपा गया राष्ट्र साधना का छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। राष्ट्र प्रथम के एकनिष्ठ भाव के साथ किए जा रहे सतत और अनथक प्रयासों से संघ की पहचान आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में बनी है। राष्ट्र, संस्कृति, धर्म एवं समाज के हित में सर्वस्व अर्पण कर देने वाले स्वयंसेवक भारत के पुनरुत्थान की साधना में निरंतर लगे हुए हैं। संघ शताब्दी वर्ष चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ रहे वैचारिक अधिष्ठान का एक सोपान है।

संघ के आद्य सरसंघचालक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य भारत को स्वाधीन बनाने के साथ ही स्व-बोध की चेतना से युक्त एक संगठित समाज का निर्माण करना था। माँ भारती को परम वैभव पर आसीन करने की 100 वर्षों की यह यात्रा सरल नहीं रही। अनेक कठिनाइयों, विरोधों और बाधाओं को ही मार्ग बनाते हुए संघ ने भारत माता की सेवा में व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत जारी रखा है।

स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के पश्चात संघ ने समाज को देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भी जब देश में औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित और गुलाम पीढ़ी तैयार करने वाली मैकाले शिक्षा पद्धति जारी रखी गई तब संघ प्रेरणा से 1952 में 'विद्या भारती' की स्थापना की गई, जो शिक्षा एवं संस्कार देने वाला आज विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शैक्षणिक संगठन है। युवाओं को राष्ट्रीय विचारों से जोड़ने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, श्रमिकों के हित में कार्य करने भारतीय मजदूर संघ, किसानों के लिए भारतीय किसान संघ, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती और संस्कार भारती आदि अनेक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित किए गए जो आज भी समाज में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति के साथ मिलकर संगठन ने महिलाओं की भूमिका को भी समान महत्व दिया है। आज विचार परिवार के प्रत्येक संगठन में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति इसी दृष्टिकोण का परिणाम है।

स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं।

संघ की सौ वर्ष की यात्रा कठिन चुनौतियों से भरी रही है। संघ अपने आरंभिक काल से ही अपनों के ही विरोध, आक्रमण, उपहास और अपमान सहकर भी इस अनवत यात्रा में आगे बढ़ा है। महात्मा गांधी की हत्या के मिथ्या आरोप, दो बार लगाए गए प्रतिबंध, आपातकाल की असहनीय यातनाएं और तमाम विरोधों के पश्चात भी संघ अपने संकल्पों पर दृढ़ रहा। इस साधना की यज्ञ वेदी में असंख्य स्वयंसेवक समिधा बन कर होम भी हुए हैं। स्वयंसेवकों की तपस्या और प्रचारकों के समर्पण ने संगठन को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां आज विश्वभर में लोग संघ को निकट से जानना और उससे जुड़ना चाहते हैं।

भारत के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास, संस्कृति, ज्ञान-परंपरा के संघरूपी वटवृक्ष की जड़ें गहरे तक समायी हुई हैं। संघ की शाखाएं संगठन का सबसे प्रबल पक्ष हैं। समाज में यह वाक्य प्रचलन में भी आ चुका है कि यदि संघ को समझना है तो शाखा में जाकर भलीभांति समझा जा सकता है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की नर्सरी भी कही जाती हैं। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास होता है। खेल, गीत, अनुशासन और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व, अनुशासन, बंधुत्व और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यमम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम, गोवा मुक्ति आंदोलन, कश्मीर के भारत में विलय, चीन के आक्रमण जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों में भी संघ की भूमिका उल्लेखनीय रही।

शताब्दी वर्ष संघ की संकल्प यात्रा को और अधिक गति देने का अवसर है। संगठन 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन जैसे विषयों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय है। शताब्दी वर्ष के इस महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय अवसर पर संघ किसी भव्य आयोजन की बजाय प्रत्येक भारतीय नागरिक तक पहुंचकर उसे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध कराने का कार्य कर रहा है।

संघ का कार्यकर्ता होना जीवन को राष्ट्र सेवा की दिशा में लगा देने की प्रक्रिया है। शाखा का संस्कार व्यक्ति में मातृभूमि के प्रति ऐसा असीम प्रेम जगा देता है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। स्वयंसेवक के लिए भारत माता की जय ही उसका परम ध्येय बन जाता है।

2026 में जब संघ का शताब्दी वर्ष पूर्ण होगा, तब लक्ष्य यही रहेगा कि प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र यज्ञ में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, ताकि भारत फिर से विश्वगुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शन कर सके। इस लक्ष्य के साधक होने के नाते हम सब भी इस राष्ट्र यज्ञ में अपनी-अपनी कर्तव्यों रूपी समिधा आहूत करें।

'पूर्ण विजय संकल्प हमारा
अनथक अविरत साधना।
निषिदिन प्रतिपल चलती आयी
राष्ट्रधर्म आराधना।'

आज जब भारत नए आत्मविश्वास और स्वाभिमान के साथ विश्व मंच पर स्वाभिमान और स्व-बोध के गौरव के साथ खड़ा है, तब संघ की यह सौ वर्षीय यात्रा केवल एक संगठन की कथा नहीं, बल्कि उस विचार की गौरव गाथा है जिसने राष्ट्र को आत्मबोध, संगठन और संस्कृति की शक्ति से जोड़ा। इस अवसर पर प्रत्येक स्वयंसेवक और नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह भारत माता को परम वैभव पर आसीन करने में अपना योगदान देंगे। सभी स्वयंसेवकों और देशवासियों को संघ शताब्दी वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी, मध्यप्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

अमृत बरसने का पर्व शरद पूर्णिमा

- पं. चन्द्रभूषण शुक्ला
संस्कृत भाषा के प्रचारक

सनातन हिन्दू धर्म में आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा मनायी जाती है। धर्म ग्रन्थो के अनुसार इस दिन माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करके ये देखने आती है कि ÷कौन जाग रहा÷ है इसलिये इसे ÷÷कोजागरी पूर्णिमा÷÷ के नाम से भी जाना जाता है। पौरणिक दृष्टि से शरद पूर्णिमा का सवोत्तम चित्रण श्रीमद् भागवत महापुराण के दशम स्कन्ध में देखने में मिलता है । इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने महारास किया था इसलिये ÷÷रास पूर्णिमा÷÷ भी कहते है।

रास शब्द का शाब्दिक अर्थ है - रसौ वै सः अर्थात - एक रस अनेक रसों में होकर अनन्त रस का रसास्वादन करें , उसे रास कहा जाता है।

श्री महामाया मन्दिर के ज्योतिषी एवं भागवताचार्य पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह समय वर्ष का मध्य काल होता है तथा शरद पूर्णिमा का पूर्ण चन्द्रमा सम्पूर्ण वर्ष भर में इसी दिन 16 कलाओं का होता है। इस दिन चाँदनी में अमृत का अंश बरसता है इसलिये खीर बनाकर रात भर खुले आँगन में रखा जाता है तथा सुबह उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। इस दिन की चाँदनी के औषधीय महत्व का वर्णन मिलता है इसलिये अनेक असाध्य रोगो की दवाएं इस खीर में मिलाकर खिलाई जाती है। औषधी विज्ञान के समस्त ग्रन्थो के अनुसार जितनी भी प्राकृतिक औषधियां, जड़ी-बूटियां है उनमें शरद पूर्णिमा के बाद आरोग्यदायी तत्वों की वृद्धि होती है इसलिये इन जड़ी बूटियों को शरद पूर्णिमा के बाद ही संग्रहीत करना चाहिए।

संस्कृत भाषा के प्रचारक एवं धर्मशास्त्री पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि शरद पूर्णिमा का अपनी श्रेष्ठ सनातन संस्कृति के कारण से एक विशेष स्थान है क्योंकि वर्षभर में बारह पूर्णिमा होती है लेकिन सिर्फ शरद पूर्णिमा पर ही अमृतवर्षा होती है। यह एक मान्यता मात्र नहीं है, वरन आध्यात्मिक अवस्था की एक खगोलीय घटना है। शरद पूर्णिमा की रात्रि पर चन्द्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है एवं वह अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण रहता है। इस रात्रि चन्द्रमा का ओज सबसे तेजवान एवं उर्जावान होता है, इसके साथ ही शीतऋतु का प्रारंभ होता है। शीतऋतु में जठराग्नि तेज हो जाती है और मानव शरीर स्वस्थ्यता से परिपूर्ण होता है।

अनेक लोग इस पूर्णिमा पर दूध और चावल मिश्रित खीर पर चन्द्रमा की किरणों को गिरने के लिये रखते है। चन्द्रमा तत्व एवं दूध पदार्थ समान उर्जा धर्म होने के कारण दूध अपने में चन्द्रमा की किरणों को अवशोषित कर लेता है। इस तरह मान्यता के अनुसार उसमे अमृतवर्षा हो जाती है और खीर को खाकर अमृतपान का संस्कार पूर्ण करते है।

शरद पूर्णिमा का चंद्रमा बदलते मौसम अर्थात मानसून के अंत का भी प्रतीक है। इस दिन चांद धरती के सबसे निकट होता है इसलिए शरीर और मन दोनों को शीतलता प्रदान करता है. इसका चिकित्सकीय महत्व भी है जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। प्रत्येक प्रांत में शरद पूर्णिमा का कुछ न कुछ महत्व अवश्य है।

पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि बंगाल में शरद पूर्णिमा को कोजागोरी लक्ष्मी पूजा कहते हैं। महाराष्ट्र में कोजागरी पूजा कहते हैं और गुजरात में शरद पूनम। भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा यहाँ की प्रमुख खाद्य फसले है गेहूं और चावल (धान). तथा छः ऋतूये हैः- बसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, शिशिर तथा हेमन्त। इनमे सबसे मनमोहक मानी जाती है बसन्त और शरद । गेहू की फसल पकने के समय बसन्त ऋतु में होली मनायी जाती है उसी प्रकार धान की फसल पकने के समय शरद ऋतु में शरद पूर्णिमा और दीपावली मनायी जाती है। होली पर गेहूं की बालिया भुनकर प्रसाद बनाया जाता है और शरद पूर्णिमा पर नये चावल की खीर का प्रसाद बनाया जाता है। शरद पूर्णिमा को आदि कवि वाल्मीकि जी का जन्म दिवस मनाया जाता है। वाल्मीकि जी ने संस्कृत भाषा में रामायण की रचना की जो संसार का पहला लोककाव्य है।

इस दिन प्रातः काल अपने आराध्य देव व लक्ष्मी माता को सुंदर वस्त्राभूषणों से सुशोभित कर आसन पर विराजमान करें। फिर गंध ,अक्षत, धुप, दीप, नैवैद्य, ताम्बूल, दक्षिणा आदि से पूजा करना चाहिये । पूर्णिमा व्रत करके कहानी सुनना चाहिए।

लक्ष्मी माता की प्रतिमा या चित्र के सामने देशी घी का अखण्ड दीपक रात भर जला कर रखें तथा अधिकाधिक संख्या में लक्ष्मी मन्त्र का जप व श्रीसूक्त का पाठ करें या अपने आचार्य पंडित जी से कराना चाहिए।

लक्ष्मी माता के मंत्रो को कमलगट्टे के माला से जप करने से आर्थिक समस्या दूर होती है। इस तरह पूजन, स्मरण, संकीर्तन तथा रात्रि जागरण करने से लक्ष्मी माता प्रसन्न होती है तथा सुख-समृद्धि का वरदान देती है।

यह निजी विचार है।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल : डॉ. मनसुख मांडविया ने विश्व शिक्षक दिवस पर दिल्ली में शिक्षकों का नेतृत्व

पीआईबी

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल के 43वें संस्करण में पूरे भारत में 10,000 से अधिक स्थानों पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए

केंद्रीय खेल मंत्री ने प्रत्येक नागरिक से शारीरिक गतिविधि के लिए एक घंटा समर्पित करने का आग्रह किया ताकि भारत विकसित भारत के सपने की ओर अधिक मजबूत और स्वस्थ होकर आगे बढ़ सके

साइकिलिंग हमें सिखाती है कि हम तभी आगे बढ़ते हैं जब हम संतुलन बनाए रखते हैं; यह संतुलन जीवन का आधार है और यह फिटनेस से आता है- डॉ. मनसुख मांडविया

पीआईबी

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज सुबह राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में विश्व शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 43वें संस्करण का नेतृत्व किया। यह कार्यक्रम देश भर में 10,500 से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में एथलीटों, फिटनेस इंफ्लुएनसर और युवाओं के साथ-साथ पूरी दिल्ली से शिक्षकों सहित 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन एथलीटों में भारतीय हॉकी टीम के एक प्रमुख सदस्य, ओलंपिक पदक विजेता अभिषेक नैन, शतरंज की दिग्गज खिलाड़ी तानिया सचदेव के साथ-साथ उभरते हुए भाला फेंक स्टार सचिन यादव और भारत के पुश-अप मैन कहे जाने वाले रोहताश चौधरी शामिल थे। इसमें शिक्षकों को समर्पित एक जीवंत नुक्कड़ नाटक, योग सत्र, रस्सी कूदना, फिटनेस गेम्स और बच्चों के लिए भागीदारी क्षेत्र भी शामिल थे।

लोगों को संबोधित करते हुए, डॉ. मांडविया ने इस पहल को एक सच्चा राष्ट्रव्यापी आंदोलन बताया। उन्होंने कहा, ''इस आंदोलन के माध्यम से 10,500 से ज?यादा स्थानों पर लाखों नागरिक हर रविवार को खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चला रहे हैं। यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी के फिट इंडिया विजन का उत्सव बन गया है।''

उन्होंने आगे कहा, ''अगर हर नागरिक शारीरिक गतिविधि के लिए एक घंटा भी समर्पित करे तो भारत विकसित भारत के सपने की ओर और भी मजबूत, स्वस्थ और एकजुट होकर आगे बढ़ेगा। आज इस कार्यक्रम में कई शिक्षकों ने भाग लिया और छात्रों को जीवन में संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया। साइकिल के पैडल हमें जीवन का सबसे बड़ा सबक सिखाते हैं कि हम तभी आगे बढ़ते हैं जब हम संतुलन बनाए रखते हैं। यह संतुलन जीवन का आधार है और यह फिटनेस से आता है।''

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा भारतीय साइक्लिंग महासंघ (सीएफआई), योगासन भारत और माई भारत के सहयोग से आयोजित इस साइकिलिंग अभियान ने अब भारत के सबसे प्रभावशाली फिटनेस अभियानों में से एक के रूप में अपनी पहचान बना ली है। इस कार्यक्रम में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के आधिकारिक गान का भी शुभारंभ हुआ। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम राहगीरी फाउंडेशन और फिटस्पायर के सहयोग से आयोजित किया गया जबकि रस?सी कूदने का नेतृत्व डॉ. शिखा गुप्ता ने किया।

इस बीच, रोहताश चौधरी - गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक और फिट इंडिया मूवमेंट के ब्रांड एंबेसडर एवं ''पुशअप मैन ऑफइंडिया'' - ने इस कार्यक्रम के दौरान डॉ. मनसुख मांडविया को बताया कि वह पीठ पर 60 पाउंड का बैग लेकर एक घंटे में सबसे अधिक पुश-अप करने का एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास कर रहे हैं। यह 2 नवंबर 2025 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

भारतीय हॉकी टीम के साथ पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले और राजगीर में एशिया कप जीतने वाले अभिषेक नैन ने नई दिल्ली में इस पहल के बारे में भावुक होकर कहाः ''एथलीटों के रूप में, फिटनेस हमारा आधार है। मैं यहां सिर्फलोगों को साइकिल चलाते हुए नहीं देख रहा हूं बल्कि भारत में स्वास्थ्य की संस्कृति को अपनाते हुए भी देख रहा हूं। यह भी बहुत प्रेरणादायक है कि पिछले कुछ महीनों में इस आंदोलन का विस्तार हुआ है।''

ग्रैंडमास्टर तानिया सचदेव, जो संडे ऑन साइकिल में दूसरी बार शामिल हुई है उन?होंने इस आंदोलन को प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी के विजन से जोड़ते हुए एक भावुक टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''मैं हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करती हूं-वे खेलों के इतने बड़े समर्थक हैं और उन्होंने फिटनेस को एक जन आंदोलन में बदल दिया है।''

यह पहल दिखाती है कि फिटनेस कैसे समुदायों को एक साथ ला सकती है। आज शिक्षकों, छात्रों और एथलीटों को एक साथ साइकिल चलाते देखना दिल को छू लेने वाला था।÷

68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन (सीपीसी) में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे ओम बिरला

पीआईबी

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के नेतृत्व में एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल 5 से 12 अक्तूबर 2025 तक ब्रिजटाउन, बारबाडोस में आयोजित होने वाले 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन (सीपीसी) में भाग लेगा । भारतीय संसदीय शिष्टमंडल में राज्य सभा के उप सभापति, श्री हरिवंश; लोक सभा सांसद और सीपीए कार्यकारी समिति के सदस्य, श्री अनुराग शर्मा; लोक सभा सांसद और सीडब्ल्यूपी संचालन समिति की सदस्य, डॉ. डी. पुरंदेश्वरी; लोक सभा सांसद डॉ. के. सुधाकर; राज्य सभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा; राज्य सभा सांसद डॉ. अजीत माधवराव गोपछड़े; लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह; और राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी. मोदी शामिल होंगे।

इस वार्षिक सम्मेलन में भारत के 24 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विधानमंडलों के 36 पीठासीन अधिकारी और 16 सचिव भी भाग लेंगे, जो सीपीए के सदस्य भी हैं।

लोक सभा अध्यक्ष इस सम्मेलन में ÷राष्ट्रमंडल - एक वैश्विक भागीदार÷ विषय पर आम सभा को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के दौरान, विभिन्न विषयों पर सात कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी। माननीय अध्यक्ष ÷प्रौद्योगिकी का उपयोगः डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से लोकतंत्र को बढ़ावा देना और डिजिटल विभाजन को कम करना ÷ विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करेंगे।

सम्मेलन के दौरान सीपीए की कार्यकारी समिति की बैठक होगी, जिसमें सीपीए के कोषाध्यक्ष के रूप में लोक सभा सांसद श्री अनुराग शर्मा और असम विधान सभा के अध्यक्ष, श्री विश्वजीत दैमारी, जो भारतीय क्षेत्र से सीपीए कार्यकारी समिति के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों में से एक हैं, भाग लेंगे।

लोक सभा सांसद डॉ. डी. पुरंदेश्वरी, ÷राष्ट्रमंडल महिला सांसद (सीडब्ल्यूपी) संचालन समिति÷ की बैठक में भाग लेंगी। वह ÷राष्ट्रमंडल में महिलाओं के प्रति संवेदनशील संसदों की संकल्पना को साकार करने के लिए उत्तम प्रथाएं और रणनीतियाँ÷ विषय पर सीडब्ल्यूपी सम्मेलन सत्र में एक पैनलिस्ट भी होंगी।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों सहित शिष्टमंडल के अन्य सदस्य भी विभिन्न कार्यशालाओं और सम्मेलन की आम सभा में भाग लेंगे।

इस यात्रा के दौरान, माननीय लोक सभा अध्यक्ष द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे और अन्य राष्ट्रमंडल देशों के समकक्ष पीठासीन अधिकारियों के साथ पारस्परिक हित और संसदीय सहयोग के मामलों पर चर्चा करेंगे।

माननीय लोक सभा अध्यक्ष बारबाडोस प्रवास के दौरान बारबाडोस के शीर्ष नेताओं से भेंट करेंगे और प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद भी करेंगे।

त्योहारों की भीड़ से पहले डीजीसीए ने हवाई किराए के रुझान की समीक्षा की

एयरलाइनों से अतिरिक्त उड़ानें संचालित करके उड़ान क्षमता बढ़ाने का आग्रह

पीआईबी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को हवाई किरायों पर नजर रखने, विशेष रूप से त्योहारों के दौरान, तथा कीमतों में वृद्धि होने पर उचित कदम उठाने का अधिकार दिया है।

तदनुसार, डीजीसीए ने एयरलाइनों के साथ इस मुद्दे को सक्रियतापूर्वक उठाया और उनसे त्योहारों के दौरान बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित करके क्षमता बढ़ाने को कहा। जवाब में, एयरलाइन्स ने बताया कि वे निम्नलिखित अतिरिक्त उड़ानें जोड़ रहे हैं:-

इंडिगो: 42 सेक्टरों में लगभग 730 अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जाएंगी। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेसः ??20 सेक्टरों में लगभग 486 अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जाएंगी। स्पाइसजेटः 38 सेक्टरों में लगभग 546 अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जाएंगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय त्योहारों के दौरान यात्रियों के हितों की रक्षा के लिए एयरलाइन किराए और उड़ान क्षमताओं पर कड़ी निगरानी रखेगा।

(05कैप्शन10)भारतीय तटरक्षक जहाज (आईसीजीएस) अक्षर को पुडुचेरी के कराईकल में औपचारिक रूप से कमीशन किया गया। यह आठ अदम्य-श्रेणी के तीव्र गश्ती पोतों (एफपीवी) की श्रृंखला में दूसरा जहाज है।

मणिपुर और नागालैंड के राज्यपाल, श्री अजय कुमार भल्ला ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।

शरद पूर्णिमा पर मनाया जायेगा महर्षि वाल्मीकि जयंती

संस्कृत भारती संगठन करेगी विभिन्न आयोजन)

संस्कृत में रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मिकी का संबंध छत्तीसगढ़ से

छत्तीसगढ़ से जुड़े संस्कृत महाकाव्य रामायण एक धरोहर है

पं. चंद्रभूषण शुक्ला संस्कृत भाषा के प्रचारक

लोकशक्ति।

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को भारत सहित कई देशों मे संस्कृत साहित्य के आदि कवि जिसने पूरे विश्व में प्रथम महाकाव्य संस्कृत रामायण की रचना की ÷महर्षि वाल्मिकी÷ की जयंती मनाई जाती है जो इस वर्ष 6 अक्टूबर सोमवार को मनाया जायेगा। इस अवसर पर संस्कृत भारती संगठन के कार्यकर्ता पूरे प्रदेश मे विभिन्न कार्यक्रम के तहत राम रक्षा स्तोत्र, मूल रामायण पाठ करेंगे। संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि रामायण जैसे महाकाव्य के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मिकी जी का जन्म हिन्दी पंचांग अनुसार आश्विन् मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को हुआ था। वाल्मिकी जयंती के दिन अधिकतर मंदिरों में पूजा अर्चना की जाती है और रामायण का पाठ किया जाता है। मुख्यतः उत्तरप्रदेश, राजस्थान, जैसे राज्यों मे इनकी जयंती बहुत ही धूम धाम से मनाई जाती है। चूंकि वाल्मिकी जी ने यह महाकाव्य संस्कृत भाषा में रचना की है और छत्तीसगढ़ के चंदखुरी रायपुर में माता कौशिल्या जी का मंदिर होना व ÷तुरतुरिया÷ मे महर्षि वाल्मिकी जी का आश्रम होना और वहाँ श्रीराम सीता जी के पुत्र लव कुश को शिक्षा दिया जाना ऐतिहासिक प्रमाण है।

छत्तीसगढ़ संस्कृत भाषा का गढ़ है। छत्तीसगढ़ मे संस्कृत महाकाव्य की अपनी एक प्राचीन परंपरा है। महर्षि बाल्मीकि का आश्रम तुरतुरिया (पहले रायपुर जिला अब बलोदाबाजार) में सुशोभित है। यहाँ प्रवाहित नदी त्रेतायुग की तमसा नदी की ओर इशारा करती है। प्राचीन नाट्यशाला सरगुजा के रामगढ़ मे स्थित है। वैसे तो पूरे कौशल प्रदेश (अब छत्तीसगढ़) और दण्डकारण्य का संबंध माता कौशिल्या और भगवान् श्रीराम से है किंतु रामगढ़ (पहले रामगिरि) से तो इनका विशेष संबंध है। गुरु कालिदास के अमर काव्य संस्कृत मे मेघदूतम् तथा शिवरीनारायण का क्षेत्र, सिरपुर मे प्राचीन लक्ष्मण मन्दिर, तथा चंदखुरी मे कौशिल्या मन्दिर व राजिम लोमश ऋषि के क्षेत्र में भगवान् श्रीराम, लखन, माँ सीता के वनवास काल का अधिकांश समय व्यतीत किया गया था। कालिदास के मेघदूत व तुरतुरिया में ऋषि बाल्मीकि के आश्रम का होना अर्थात् संस्कृत के रामायण महाकाव्य का होना छत्तीसगढ़ मे संस्कृत की प्राचीन धरोहर को दर्शता है। यहाँ के शिलालेखों एवं पांडुलिपियों से ज्ञात होता है की यहाँ संस्कृत जानने वाले बहुत विद्वान रहे हैं। पं. गंगाधर मिश्र, पं. लोचन प्रसाद पांडेय, डॉ. हीरालाल शुक्ल, प्रो. राजाराम त्रिपाठी आदि अनेक विद्वान छत्तीसगढ़ मे संस्कृत की धरोहर के रूप मे जाने जा सकते हैं। संस्कृत का महत्व न केवल एक वैज्ञानिक भाषा के रूप मे हैं बल्कि इसके विशद ज्ञान से लोकमंगल की भावना का सूत्रपात होता है। प्राचीनकाल से संस्कृत के माध्यम से ही संस्कृति और संस्कार सुरक्षित रहें हैं। महर्षि वाल्मिकी ने संस्कृत मे रामायण की रचना की थी, संस्कृत रामायण को सबसे पुराना माना जाता है और उसकी प्रमाणिकता भी अधिक है। महर्षि वाल्मिकी के आश्रम मे ही लवकुश का जन्म हुआ था और वाल्मिकी ने ही लवकुश को रामायण पढ़ाई थी। कुछ पौराणिक कथाओं में ऐसा सुनने मे आता है की महर्षि वाल्मिकी रत्नाकर नाम के दस्यु थे, कहा जाता है की नारद मुनि के प्रभाव से वे वाल्मिकी बनें और वे भगवान राम के भक्त बन गए। उन्होंने कई वर्षों तक राम राम मंत्र का जप किया। वर्षों के तप के बाद एक दिन भविष्यवाणी हुई की उनकी तपस्या सफल हुई और उस दिन ही उनको नया नाम वाल्मिकी मिला। वाल्मिकी जी को श्रीराम भगवान जी के दर्शन और कृपा मिली। भगवान वाल्मिकी को श्री राम जी के जीवन मे घटित प्रत्येक घटना का पूर्ण ज्ञान था। संस्कृत भाषा मे वाल्मिकी जी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना किये जिसे ÷आदि काव्य÷ भी कहा जाता है। वल्मीकीय रामायण संस्कृत साहित्य का एक आरंभिक महाकाव्य है जो संस्कृत भाषा मे अनुष्टुप छंदों मे रचित है। इसमें श्री राम के चरित्र का उत्तम एवं वृहद विवरण काव्य रूप में उपस्थित हुआ है। वर्तमान मे राम के चरित्र पर जितने भी ग्रंथ उपलब्ध है उन सभी का मूल महर्षि वाल्मिकी कृत ÷ वल्मीकीय रामायण÷ ही है। भारतीय संस्कृति एवं साहित्य में इस महाकाव्य वाल्मीकीय रामायण का एक महत्वपूर्ण स्थान है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

हरि लीला ट्रस्ट की पहल : 106 स्कूलों के 301 प्रतिभागियों ने दिखाया ज्ञान का दम

जांजगीर-चांपा विधानसभा स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का फाइनल राउंड सम्पन्न

जांजगीर-चांपा। हरि लीला ट्रस्ट, बनारी (जांजगीर-नैला) के तत्वावधान में रविवार, 5 अक्टूबर को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता ङ्क 2025 का फाइनल राउंड सरस्वती शिशु मंदिर नैला (जांजगीर) में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में 106 विद्यालयों से चयनित 301 छात्र-छात्राओं ने भागीदारी निभाई। ये सभी विद्यार्थी विद्यालय स्तर पर लगभग 12500 प्रतिभागियों में से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर चुके थे।

आयोजन के पूर्व हरि लीला ट्रस्ट के अध्यक्ष लीलाधर सुल्तानिया ने प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ङ्क÷यह सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता विद्यार्थियों में ज्ञान, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना को जागृत करने का श्रेष्ठ माध्यम है। मैं सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य और सफलता की हार्दिक कामना करता हूँ।÷ फाइनल परीक्षा में प्रतिभागियों ने उत्साह, आत्मविश्वास और ज्ञान का अद्भुत प्रदर्शन किया। प्रश्न-पत्र में इतिहास, भूगोल, विज्ञान, राजनीति, अर्थशास्त्र एवं खेल से संबंधित विविध विषयों पर आधारित प्रश्न शामिल थे। आयोजन स्थल पर विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास का उत्साहजनक माहौल देखने को मिला। ट्रस्ट की टीम ने परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कीं। ट्रस्ट के सचिव अमर सुल्तानिया ने बताया कि यह प्रतियोगिता केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में ज्ञान, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना जगाने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को नई दिशा और प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन प्रकाश शर्मा ने आभार प्रदर्शन जितेंद्र खांडे व हितेश यादव ने किया। विजेताओं को 16 अक्टूबर को आकर्षक पुरस्कार, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार ?21,000, द्वितीय ?11,000, तृतीय ?5,100 तथा सांत्वना पुरस्कार ?2,100 प्रत्येक निर्धारित हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से शिक्षविद मनोज पांडेय, अनिल तिवारी, सुरेश यादव, आलोक शुक्ला, रोशन केशरवानी, दीपक यादव, सुनील अग्रवाल, संजय दुबे, सोहराब सिंह, विनोद बंसल, अरुण झाझड़िया, गुलाब दीवान, गोपेश्वर कहरा, रमाकांत राजवाड़े, पार्षद हितेश यादव, पार्षद पंकज कहरा, पार्षद उमेश राठौर, श्रीमती प्रतिमा डाहरे, हरि लीला ट्रस्ट की ओर से मुकेश भोपालपुरिया, मनीष तिवारी, जितेंद्र खांडे, साकेत तिवारी, सुनील तिवारी, वृन्दावान सिंह, रमेश सोनवानी, सुधीर झाझड़िया, हितेश साहू, डिगेश कुमार, संदीप पाण्डेय, राजेंद्र साहू, कमल राठौर, रोहित कुलदीप, रवि पाण्डेय, प्रदीप राठौर, फ़िरदौस खान, सागर राठौर, शिव चमन सिंह, गोलू दुबे, आदि बड़ी तादात में मौजूद रहे। यह पूरा आयोजन सरस्वती शिशुमंदिर नैला (जांजगीर) में संपन्न हुआ जिसमें विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों के साथ ही क्षेत्र के कई विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक व पालकगण मौजूद रहे।

चौतीस लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

थाना अकलतरा मुलमुला पुलिस की कार्यवाही

जांजगीर चांपा /

चौतीस लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ दो आरोपीयों को अकलतरा मुलमुला पुलिस ने गिरफ्तार किया है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में थाना अकलतरा पुलिस द्वारा आरोपी दुर्गा प्रसाद केवट उम्र 30 वर्ष निवासी फरहदा थाना अकलतरा के कब्जे 20 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब , थाना मुलमुला पुलिस द्वारा आरोपी भोला गोड़ उम्र 37 साल निवासी चोरभट्ठी सबरिया डेरा के कब्जे से 14 लीटर अवैध कच्ची शराब जुमला कीमती 6800 रूपए बरामद कर आरोपियों के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरी. भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा, निरीक्षक पारस पटेल थाना प्रभारी मुलमुला का विशेष योगदान रहा।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे का सघन निरीक्षण

गांव की पगडंडियों और खेतों की मेड़ों से होते हुए हेडसपुर की पहाड़ियों पर पहुंचे कलेक्टर

पीएम आवास निर्माण की गति पर जोर, पहाड़ी पर जल संरक्षण कार्यों की सराहना

जांजगीर- चांपा /कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने रविवार को जिले के विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति परखने के लिए जनपद पंचायत बलौदा के सुदूर ग्राम हेडसपुर और बक्सरा का दौरा किया। कलेक्टर गांव की पगडंडियों और खेतों की मेड़ों से होते हुए हेडसपुर की पहाड़ियों पर पहुंचे और वहां मनरेगा के तहत बनाए गए कंटूर ट्रेंच कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने जल संरक्षण के इन प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस पहाड़ी पर व्यापक स्तर पर पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाई जाए, ताकि वर्षा जल संरक्षित हो और पर्यावरण भी संवर्धित हो।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कंटूर ट्रेंच निर्माण से पहले और बाद में जल संचयन की मात्रा का तुलनात्मक विवरण तैयार कर प्रस्तुत किया जाए।

पीएम आवास निर्माण पर कलेक्टर का विशेष फोकस

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री महोबे ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हेडसपुर और बक्सरा पंचायतों में निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों का जायजा लिया।उन्होंने हितग्राहियों से सीधी बातचीत की। कलेक्टर ने श्री गुडनिधि लाल, ईश्वर लाल, श्रीमती राजबाई, नोहर बाई, रमेश कुमार यादव और हरिराम सहित अन्य लाभार्थियों के घर पहुंचकर कार्यों की प्रगति देखी। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गरीबों के जीवन स्तर सुधारने की सबसे अहम योजना है। हर पात्र परिवार को समय पर पक्का मकान मिले, यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थियों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाए और सभी आवास निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हों।

क्यूआर कोड से मिली पारदर्शी जानकारी

हेडसपुर पंचायत भवन में लगे मनरेगा क्यूआर कोड को कलेक्टर ने अपने मोबाइल से स्कैन कर गांव के पिछले तीन वर्षों के सभी कार्यों की जानकारी देखी। स्क्रीन पर कार्यों की पूरी सूची, खर्च की गई राशि, भुगतान विवरण और लाभार्थियों की जानकारी प्रदर्शित हुई। कलेक्टर ने कहा यह पहल पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का अभिनव कदम है। ग्रामीण अब स्वयं मोबाइल से देख सकते हैं कि गांव में कौन-से कार्य हुए, कितना खर्च हुआ और किसे लाभ मिला। इससे ग्रामीण विकास कार्यों की निगरानी में सक्रिय सहभागी बनेंगे।

ग्रामीणों से सीधा संवाद, अन्य योजनाओं की भी समीक्षा

कलेक्टर ने ग्रामीणों के घर पहुँच कर पीएम आवास, शौचालय, जल जीवन मिशन की जानकारी ली ।उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी ग्रामीणों को दी। उन्होंने अधिकारियों को विलेज एक्शन प्लान तैयार करने, किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, जनपद सीईओ श्री रोहित नायक, सरपंच, सचिव और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

छीरपानी जलाशय में ओवरफ्लो, रातभर फँसे चार ग्रामीणों को बचाया गया...

बढे बिजली दर को कम करने की मांग को लेकर लगे गगन चुंबी नारे

जांजगीर चांपा / कवर्धा (संवाददाता)। कबीरधाम जिले के मैकल पर्वतीय क्षेत्रों में रात हुई मूसलाधार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए। छीरपानी जलाशय अधिकतम क्षमता तक भर जाने के बाद ओवरफ्लो होने लगा। इस बीच देर रात घूमने गए चार ग्रामीण जलाशय के गहरे पानी में फँस गए। दूसरी ओर ग्राम भोंदा के पास तारेगांव जंगल मार्ग पर पुल बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे आसपास के गांवों का संपर्क टूट गया।

कलेक्टर ने संभाली कमान, संयुक्त दल पहुँचा मौके पर

स्थिति की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने जिला बाढ़ कंट्रोल कक्ष को सूचना दी। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नगर सेना और एनडीआरएफ की संयुक्त टीम को रवाना किया। सुबह करीब 10 बजे राहत दल छीरपानी पहुँचा और बचाव अभियान शुरू किया। दरअसल जिले में अचानक आई बाढ़ जैसी परिस्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन और एनडीआरएफ ने गुरुवार को मॉकड्रिल आयोजित की। मॉकड्रिल का परिदृश्य इस प्रकार रखा गया कि छीरपानी जलाशय ओवरफ्लो हो गया और देर रात वहां चार ग्रामीण पानी में फँस गए, वहीं भोंदा गांव के समीप पुल बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गया।

टीम में एनडीआरएफ के सेनानी कमलेश्वर प्रसाद चंदेल, प्रभारी आपदा प्रबंधन डिप्टी कलेक्टर आर.बी. देवांगन, नोडल अधिकारी सुश्री रुचि शार्दूल, बोड़ला एडीएम सागर सिंह, तहसीलदार सुश्री राजश्री पांडे समेत स्वास्थ्य, खाद्य, वन, परिवहन, पशुधन और विद्युत विभाग के अधिकारी शामिल रहे।

सभी ग्रामीण सुरक्षित निकाले गए

कलेक्टर वर्मा ने मौके पर पहुँचकर पूरे अभियान की मॉनिटरिंग की। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश से जलस्तर बढ़ने से चार ग्रामीण फँस गए थे और भोंदा पुल टूटने से कई लोग अलग-थलग पड़ गए थे। संयुक्त दल ने सभी ग्रामीणों को सुरक्षित निकाल लिया।

राहत शिविर और उपचार की व्यवस्था प्रभावित ग्रामीणों को राहत शिविरों में ठहराया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चारों ग्रामीणों का प्राथमिक उपचार किया और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित परिवारों को राशन और आवश्यक खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

प्रशासन ने बताया सफल मॉकड्रिल

कलेक्टर वर्मा ने कहा कि यह पूरी कार्यवाही एक सफल मॉकड्रिल रही, जिसने साबित किया कि जिला प्रशासन और विभागीय टीमें किसी भी आकस्मिक आपदा से निपटने में सक्षम हैं। उन्होंने राहत एवं बचाव दल के साहस और समन्वय की सराहना की।

लायंस क्लब चांपा ने नवजात शिशुओं को हिमालया किट तथा माताओं को किया फल वितरण

राजनांदगांव। लायंस क्लब चांपा द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के चौथे दिन हेमिनबाई रामनारायण राठौर मेमोरियल नर्सिंग होम लायंस चौक चांपा में नवजात शिशुओं को हिमालया किट तथा माताओं को बिस्किट, फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 36 जच्चा बच्चा लाभान्वित हुवे । इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन संतोष कुमार सोनी अधिवक्ता, सचिव लायन राजेश अग्रवाल,कोषाध्यक्ष लायन वासुदेव देवांगन, , चेयरमैन लायन रामप्रपन्न देवांगन, वाइस चेयरमैन। लायन डॉ काशी प्रसाद राठौर, लायन डॉ घनश्याम प्रसाद दुबे, लायन विनोद कुमार अग्रवाल,लायन नेहरू देवांगन , लायन रमेश कुमार देवांगन, पूरन लाल बरेठ , सहित अन्य लोग उपस्थित थे जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ ।

उमरवाही,बड़भूम, जामनारा,छिंदीबिरही, पांडेटोला में अवैध शराब बिक्री जोरों पर

राजनांदगांव। जिले के खुज्जी विधानसभा क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री जोर शोर से चल रही है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार खुज्जी विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम उमरवाही, बड़भूम,जामनारा, छिंदीबिरी, पांडेटोला सहित क्षेत्र के गांव में अवैध शराब बिक्री और खुले आम पीने पिलाने का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि रोजाना अवैध शराब बिक्री चरम पर है पुलिस प्रशासन भी अवैध शराब बिक्री की कार्यवाही से मुंह मोड़ चुका है। आसपास के ग्रामीण इलाकों सहित महाराष्ट्र के दुकानों से बड़ी मात्रा में शराब लाकर बेची जा रही है। एक तरफगांव गांव में पूर्ण शराबबंदी की जा रही है वहीं दूसरी ओर शराब माफ़ियाओं को नेताओं के संरक्षण से खुलेआम शराब बेची जा रही है। चंद पैसों के लालच में नेताओं द्वारा शराब कोचियो (माफ़ियाओ) को संरक्षण देने का कार्य करती है ऐसा ग्रामीणों ने बताया। ग्रामीण जनों ने आगे बताया कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं पुलिस विभाग को कई बार सूचित करने के बावजूद भी कार्यवाही नहीं करती है जिसके कारण से शराब खुशियों के हौसले दिन-ब-दिन बुलंद होते जा रहे हैं। गांव की महिलाओं ने नाम न छापने के शर्त पर बताया कि ग्राम भोलापुर (छुरिया) का व्यक्ति का खेत पांडेटोला में होने की वजह से वहां व्यक्ति द्वारा ग्राम भोलापुर में शराब ना बेचकर ग्राम पांडेटोला में खुलेआम शराब बेचता है जिसका ग्रामीण जन विरोध करते हैं लेकिन गांव के चंद लोगों के मिली भगत से वह व्यक्ति द्वारा ग्राम पांडेटोला में खुलेआम शराब बेचने के कार्य को अंजाम दे रही है। ग्रामीण जनों ने शासन प्रशासन और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों से मांग रखी है कि इन गांवो में भी पूर्ण शराब बंदी की जाए।

खास खबर

बालको नगर में दशहरा महोत्सव और रामलीला की रही धूम, बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश

कोरबा,। विजयादशमी के पावन अवसर पर बालको नगर में आयोजित सार्वजनिक रामलीला और दशहरा महोत्सव इस वर्ष भी पूरी भव्यता और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। बालको प्रबंधन के सहयोग और भारत एल्यूमीनियम मजदूर संघ (इंटक) की मेजबानी में आयोजित इस आयोजन में हजारों की संख्या में नगरवासी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शामिल हुए।

इस वर्ष के कार्यक्रम में मुख्य आकर्षणों में रामलीला का मंचन, रावण दहन और इंद्रधनुषी आतिशबाजी शामिल रही। जैसे ही विशालकाय रावण के पुतले को अग्नि दी गई, रामलीला मैदान जय राम के नारों से गूंज उठा। आकाश में फैली रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर बालको के सीईओ राजेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ बालको प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी, सलूजा बालको महिला मंडल की अध्यक्ष तथा इंटक के पदाधिकारी मंच पर मौजूद रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में दशहरा पर्व को बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक बताते हुए कहा कि रामलीला और दशहरा महोत्सव जैसी परंपराएँ समाज को एकजुट रखने का कार्य करती हैं।

बालको नगर में सेक्टर-3 का दुर्गा पंडाल इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यहां की साज-सज्जा और धार्मिक अनुष्ठानों में लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते नजर आए। दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा की भव्य सजावट और धार्मिक अनुष्ठान उपस्थित लोगों को बेहद लुभा रहे थे। बालको नगर की रामलीला दशकों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। यहां संपूर्ण रामायण का मंचन कई दिनों तक चलता है।

काफी प्वाइंट की वादियों को फ तह करने साइकिल थान का आयोजन 4 को

कोरबा । आयुक्त आशुतोष पांडेय की पहल पर काफी पॉइंट की वादियों को फ्तह करने के लिए साइकिल थान का आयोजन 4 अक्टूबर 2025 को किया गया है । टीपी नगर चैक से प्रातः 6:00 बजे साइकिल यात्रा काफी पॉइंट के लिए रवाना होगी तथा वहां से वापस होकर यात्रा निगम कार्यालय साकेत भवन पहुंचेगी। स्वच्छ शहर व गांव - स्वस्थ तन और मन - निर्मल पर्यावरण की थीम को लेकर माउंटेन राइड ऑन व्हील्स की तर्ज पर काफी पॉइंट की वादियों पे साइकिल से फ्तह, के लिए निकलेगी यह अद्भुत साइकिल यात्रा । पांडेय की यह पहल कोरबा के इतिहास में जोड़ेगी एक नया अध्याय , रोमांच से भरपूर यह साइकिल थान कोरबा को देगी एक नई उपलब्धि । यहां यह बताना लाजमी होगा कि आयुक्त पांडेय स्वयं एक पर्वतारोही रहे हैं , वादियों को फ्तह करना उनकी हावी रही है , वैसे ही जैसे वे आज कोरबा के लोगों का दिल जीत रहे हैं , उनके विश्वास उनके प्यार - स्नेह को फ्तह कर रहे हैं ....तो आईये आप और हम... जुड़े इस यात्रा से ..... चलें काफी पॉइंट की वादियो को फ्तह करने.....।

महापौर व आयुक्त ने लायंस क्लब के स्वच्छता अभियान में शिरकत कर किया सफाई कार्य

मुड़ापार स्थित मुड़दाई तालाब में लायंस क्लब बालको द्वारा आयोजित हुआ स्वच्छता अभियान

कोरबा संवाददाता।

,महापौर संजूदेवी राजपूत न आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने आज लायंस क्लब बालकोनगर द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान में पहुंचकर मुड़ादाई तालाब व परिसर में साफ -सफाई का कार्य किया, इस मौके पर लायंस क्लब बालको तथा नगर पाकि निगम कोरबा द्वारा सफ ाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों का सम्मान भी किया गया।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के समापन दिवस, महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर लायंस क्लब बालकोनगर के द्वारा गुरूवार को कोरबा के मुडापार स्थित मुड़दाई तालाब में स्वच्छता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर महापौर संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अभियान में अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए साफ्सफाई का कार्य किया, वहीं इस मौके पर लायंस क्लब के पदाधिकारियों सदस्यों एवं निगम के अधिकारी कर्मचारियों, सफाई मित्रों ने स्वच्छता अभियान में अपनी सहभागिता देते हुए सफाई का कार्य किया।च इस मौके पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि लायंस क्लब बालकोनगर सदैव सामजिक कार्यो में अग्रणी रहा है, इसी कड़ी में उसके द्वारा इस स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके लिए मैं क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों को साधुवाद देती हॅं। महापौर राजपूत ने आगे कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन चलाकर देश में स्वच्छता व साफ्सफाई की जो अलख जगाई है, उसकी गुंज आज देश के कोने-कोने में गुंजायमान हो रही है, लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आई है, लोग साफ्सफाई के महत्व को समझ रहे हैं। **स्वच्छता ही स्वस्थ जीवन का आधार** - इस अवसर पर आयुक्त पाण्डेय ने कहा कि वास्तव में स्वच्छता ही स्वस्थ जीवन का आधार है, एक स्वस्थ तन और मन बनाए रखने के लिए साफ्सफाई बहुत जरूरी है, गंदगी एक ओर जहॉ हमें अस्वस्थ करती है, बीमार बनाती है, वहीं दूसरी ओर साफ्सफाई हमें उत्तम स्वास्थ देती है, रोग मुंक्त करती है। आयुक्त पाण्डेय ने कहा कि शहर हो या गांव, गली हो या मोहल्ला, इनकी स्वच्छता के लिए सबका सहयोग जरूरी है, सबकी सहभागिता आवश्यक हैं। उन्होने आव्हान करते हुए कहा कि आईए, हम सबका मिलकर अपने कोरबा को स्वच्छ वसुंदर शहर बनाएं, अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें उन्होने लायंस क्लब के इस स्वच्छता कार्यक्रम की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि लायंस क्लब बालककोनगर सहित शहर की सभी संस्थाओं व नागरिकों का इसी प्रकार से निरंतर सहयोग कोरबा को स्वच्छ रखने में प्राप्त होता रहेगा। लायंस क्लब बालको ने की अपील-इस मौके पर लायंस क्लब बालको नगर ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि आईए हम सब मिलकर अपने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाएं, यह एक समाज सेवा का कार्य है, जिसमें लायंस क्लब सभी संस्थाओं व नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है, आईए हम सब मिलकर शहर की सफाई में योगदान दें, स्वच्छता को लेकर जागरूकता फैलाए, सब साथ मिलकर काम करें तथा कोरबा शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हों।

इस अवसर पर निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, लायंस क्लब अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल,डिस्ट्रिक गवर्नर विजय अग्रवाल, एम.डी.माखीजा, रोहित असरानी, रितेश केडिया, अजय जायसवाल, कैलाश अग्रवाल, कुशाग्र अग्रवाल, लक्की सोनी अतुल साह, सोनल साह, डॉ.बी.बी.बोर्ड, दीपक अग्रवाल, कैलाश गुप्ता, अनिल अग्रवाल, विजय सिंह, निगम के स्वच्छता निरीक्षक गिरवर विश्वकर्मा, पीआईयू पंकज गभेल, धनमोहन रात्रे, वरूण गोस्वामी आदि के साथ स्वच्छता कमांडों, सफाई कामगार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

10 हजार से अधिक बच्चों ने भी देखी निगम की रामलीला, भविष्य में बनेंगे भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक

कोरबा के घंटाघर मैदान में बनारस की (देवशक्ति इंटरटेनमेन्ट) द्वारा मंचित श्रीरामलीला को ऊर्जानगरी के दर्शकों का मिला अपार स्नेह, प्रतिदिन 05 हजार से अधिक दर्शकों ने किया श्रीराम भक्ति रस का रसास्वादन

कोरबा संवाददाता

हमारे भारत की करोड़ों वर्ष पुरानी संस्कृति, हमारी सनातन संस्कृति, हमारी विरासत, धर्म व अध्यात्म, इन्हें सहेजना, इनके ध्वजवाहक बनना, निश्चित रूप से सौभाग्य का विषय है। इस विषय पर एक छोटा सा प्रयास किया नगर निगम कोरबा ने, हमारी पुरातन संस्कृति के अभिन्न अंग '' श्रीरामलीला '' के आयोजन का, जिसे दर्शकों का अपार स्नेह मिला, 10 हजार से अधिक बच्चों ने भी रामलीला देखी, अपनी पुरातन संस्कृति से, मर्यादा पुरूषोत्तम की मर्यादाओं से, उनके द्वारा स्थापित आदर्शो से परिचित हुए, निश्चित रूप से यही बच्चे भविष्य में भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक बनेंगें।

कोरबा विधायक व राज्य के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की प्रेरणा, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के प्रयास एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की देख रेख में, नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा कोरबा में भव्य रामलीला व दशहरा उसत्व आयोजन की योजना बनी तथा इस हेतु गठित आयोजन सममिि के सचिव श्री अशोक चावलानी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द देवांगन व हितानंद अग्रवाल, नोडल अधिकारी अखिलेश शुक्ला व पवन वर्मा के साथ मिलकर निगम के पार्षदगणों व अधिकारी कर्मचारियों ने अपने भगीरथ प्रयासों से आयोजन को अमलीजामा पहनाया। 28 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक कोरबा के घंटाघर स्थित डॉ.भीमराव अंबडेकर ओपन थियेटर मैदान में '' भव्य श्रीरामलीला व दशहरा उसत्व मेला '' का आयोजन हुआ, बनारस की सुप्रसिद्ध '' देवशक्ति इंटरटेनमेन्ट '' रामलीला मण्डली ने श्रीरामलीला का ऐसा दिव्य व मनोमुग्धकारी मंचन दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया, कि वे भावविभोर होकर '' श्रीराम भक्ति रस '' के सागर में गोते लगाते रहें, भक्ति रस से सराबोर होते रहे। इस आयोजन की महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि सोशल मीडिया के इस दौर में जब हर पल-हर हाथ में मोबाईल और नजरे मोबाईल पर रहती हैं, तब लगातार 04 घंटों तक लोग मोबाईल से दूरी बनाकर, केवल और केवल श्रीराम भक्ति में लीन रहे, मर्यादा पुरूषोत्तम की मर्यादाओं को उनके आदर्शो को आत्मसात करते रहें, उनके जीवन चरित्र को हृदयंगम करते रहें। दर्शकों की इसी अपार भीड़ में लगभग 10 हजार से अधिक बच्चे भी थे, जो रील्स एवं सोशल मीडिया की दुनिया से निकलकर भारत की पुरातन संस्कृति व मर्यादाओं से परिचित होते रहे, यहीं बच्चे आगे चलकर भविष्य में भारतीय संस्कृति व विरासत के ध्वजवाहक बनेंगे, संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के संवाहक होंगे।

मशहूर लाल मैदान में उमड़ी हजारों की भीड़, जला 120 फीट का रावण

कोरबा संवाददाता।

जिले का मशहूर लाल मैदान दशहरा उत्सव के लिए पूरे प्रदेश में जाना जाता है। यहां हर साल होने वाला रावण दहन कार्यक्रम लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र होता है। इस वर्ष भी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लाल मैदान में विशालकाय 120 फीट ऊँचे रावण का पुतला तैयार किया गया, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस आयोजन की खास बात यह रही कि हसदेव ताप विद्युत संयंत्र, कोरबा पश्चिम के इंजीनियरों और कर्मचारियों की टेक्निकल टीम ने अपने कौशल और मेहनत से इस विशाल पुतले को तैयार किया। आधुनिक तकनीक और मजबूत सामग्री से बने इस रावण पुतले को देखने लोग सुबह से ही मैदान में जुटने लगे थे। जैसे ही शाम को रावण दहन की प्रक्रिया शुरू हुई, हजारों की संख्या में मौजूद भीड़ उत्साह से झूम उठी। आतिशबाजी के धमाकों और रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा लाल मैदान जगमगा उठा। रावण दहन का भव्य नजारा देखने के लिए शहर ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। बच्चों और युवाओं में इस कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन की ओर से कड़ी व्यवस्थाएं की गई थीं। पुलिस विभाग, होमगार्ड और स्थानीय समिति के सदस्यों ने मिलकर भीड़ को नियंत्रित किया और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा। चिकित्सा दल और अग्निशमन की गाड़ियाँ भी मौके पर तैनात रहीं ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। कार्यक्रम के दौरान जगह-जगह खाद्य सामग्री के स्टॉल, झूले और मनोरंजन के साधन लगाए गए थे, जिससे पूरा क्षेत्र मेले के रूप में बदल गया।

रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा रक्तदान शिविर सह प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित

संवाददाता। गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत 27 सितंबर 2025 को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा कोरबा छत्तीसगढ़ एवं शासकीय इंजीनियर विश्वेश्वरैया स्नाकोत्तर महाविद्यालय कोरबा जिला कोरबा के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर सह प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें चेयरमैन अध्यक्ष राम सिंह अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित कर छात्र-छात्राओं को रक्तदान हेतु प्रेरित करते हुए जीवन में उच्च आदर्शो सहित रेडक्रॉस के मूल सात सिद्धांतों को अपनाने तथा अपने जीवन के

अनुभवों को भी साझा करते हुए शिक्षा प्राप्त कर उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित किए। कार्यक्रम में प्राचार्य शिखा शर्मा, वाइस चेयरमैन राजेंद्र तिवारी, सोशल साइंटिस्ट प्राध्यापक जफर अली, संतोष सिंह, ब्लड बैंक के चिकित्सकों सहित पूरी टीम, महाविद्यालय के प्राध्यापकों, अतिथि प्राध्यापकों, पूरे स्टाफ सहित छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

माता शीतला के खड्ग से हुआ सहस्त्रबाहु रावण का वध

0 ग्रामीण पुतले के मिट्टी को अपने साथ ले गए

0 देव विग्रहो का सत्कार हुआ थाना में

नगरी,। सिहावा गढ़ में परम्परानुसार एकादशी के दिन शुक्रवार को दशहरा पर सहस्त्रबाहु रावण का वध माता शीतला के खड्ग से हुआ।सैकड़ों साल पुरानी इस ऐतिहासिक परम्परा को देखने खराब मौसम के बावजूद हमेशा की तरह ग्रामीणों की भीड़ रही।महिलाओं को इस स्थान पर जाना वर्जित था।सिहावा गढ़ के देवी देवताये गांव का भ्रमण कर थाना आये।थाने में स्वागत सत्कार उपरांत गणेश मंदिर के पास चांद मारी की । देवी देवताये पुनः थाना होते

दल बल के साथ शीतला मन्दिर पहुचे । शीतला मन्दिर से माता शीतला का खड्ग लेकर रावण भाटा में पुजारी ने सहस्त्र बाहु रावण का वध किया।ग्रामीण विजय का प्रतीक मानकर सहस्त्र बाहु के पुतले की मिट्टी को नोचकर अपने साथ ले गए। तथा एक दूसरे को माथे में

मिट्टी लगा कर बधाई दी। रावण वध उपरांत शीतला मन्दिर में माता शीतला अपने खड्ग से कुष्मांड बलि के बाद शांत होती है।फिर गढ़ की देवी देवताओं को बिदाई दी गई।

शीतला समिति के अध्यक्ष कैलाश पवार ने बताया की सहस्त्र बाहु रावण की मूर्ति का निर्माण परम्परानुसार एकादशी के दिन ही स्थानीय कुम्हारों द्वारा मिट्टी से बनाया जाता है।मौके पर कलम सिंह पवार, महासचिव नेम सिंह बिसेन,सह सचिव नरेंद्र नाग,नारद निषाद,बुधेस्वर साहू,कोशाध्यक्ष गेंद लाल यादव, राजेश यदु, तुकाराम साहू ,पुजारी ज्ञान सागर पटेल, तुकाराम बेश, बलदेव निषाद, राजकुमार निषाद, छबि ठाकुर, संजय सारथीं,रामाराव बघेल,रामलाल नेताम,प्रवीण गुप्ता,सचिन भंसाली,गगन नाहटा,भरत निर्मलकर,महेंद्र कौशल ,कुँवर साहू,म ंशा राम गौर,जग्गू साहू,,नरेश पटेल ,महेश साहू,लाल जी साहू,संतोष पवार,ललित निर्मलकर,सुभाष यादव,महेंद्र साहू ,अभय नेताम ,नवल साहू,दिनेश पटेल,दीनदयाल गन्धर्व,बैजनाथ पटेल, बाल सिंह शोरी,शान्ति लाल साहू,राजू गोस्वामी आदि की उपस्थिति रही।

सैकड़ों साल पुरानी है परम्परा

मान्यता है कि जब भगवान राम लंका पति रावण का वध कर सीता मैया से मिले तब सीता मैया ने उन्हें बताया कि अभी आपको सहस्त्र बाहु रावण का वध करना है तब भगवान राम ने सहस्त्र बाहु रावण पर आक्रमण किया ।लेकिन ब्रम्हा से मिले वरदान के चलते श्री राम उसका वध नही कर पाए ।मर्यादा तोड़ते हुए सहस्त्रबाहु रावण माता के सामने नग्न होकर ललकारने लगा तब सीता माता ने आदि

अधर्म, अंहकार कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, पराजित अवश्य होगा

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय श्रीरामलीला व दशहरा उत्सव आयोजन का हुआ समापन

o उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने दी गरिमामयी उपस्थिति, श्रीराम दरबार की पूजा अर्चना की, रावण दहन कार्यक्रम सम्पन्न कराया

कोरबा ।

प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रभु श्रीराम की कथा हमें यह शिक्षा देती है कि अधर्म एवं अंहकार कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, वह पराजित अवश्य होता है, अधर्म पर धर्म की जय होती है, अंहकार का विनाश होता है, यह निश्चित है। उन्होने कहा कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा श्रीरामलीला व दशहरा उत्सव का बहुत ही सुंदर आयोजन किया गया, इस आयोजन से कोरबा का वातावरण राममय होगा, मैं कामना करता हूँ कि यह आयोजन प्रत्येक वर्ष इसी गरिमा एवं धूमधाम के साथ हों।

उक्त बातें उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने नगर

पालिक निगम कोरबा द्वारा आयोजित श्रीरामलीला व दशहरा उत्सव कार्यक्रम के समापन अवसर पर कही। निगम द्वारा विगत 28 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक घंटाघर मैदान में पांच दिवसीय श्रीरामलीला व दशहरा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसका विजयादशमी के दिन समापन हुआ, समापन समारोह के मुख्य अतिथि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए कार्यक्रम का समापन कराया। उन्होने श्रीराम दरबार की पूजा अर्चना की तथा रावण दहन कार्यक्रम भी सम्पन्न कराया। इस मौके पर दिए गए अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की पहल तथा आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की देखरेख में आयोजित श्रीरामलीला आयोजन से भारतीय संस्कृति को सहेजने का कार्य किया गया है। उन्होने कहा कि इस आयोजन से हमारे बच्चो को भी भारत की पुरातन संस्कृति को जानने समझने का अवसर मिला तथा वे प्रभु श्रीराम की लीलाओं, उनकी मर्यादाओं व आदर्शो से परिचित हुए। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि इस आयोजन को जगद्गुरू श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज का आशीर्वाद भी मिला तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भी यहॉ पहुंचकर हम सबका उत्साहवर्धन किया। श्री देवांगन ने इस सुंदर धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन के लिए महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों, पार्षदों व निगम के अधिकारी कर्मचारियों को साधुवाद दिया एवं अपनी दिली शुभकामनाएं दी।

श्रीरामलीला हमें बताती है कि होती है बुराई पर अच्छाई की जीत - इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि प्रभु श्रीराम की लीला प्रसंग का यह आयोजन करना मेरा सौभाग्य है, श्रीरामलीला हमें बताती है कि बुराई पर अच्छाई की सदैव ही जीत होती है। उन्होने कहा कि नगर निगम कोरबा नगर के विकास व आमजन को मूलभूत सुविधाएं तो उपलब्ध कराने में अग्रणी है ही, किन्तु अब निगम ने भारतीय संस्कृति व विरासत को सहेजने का काम भी किया है। उन्होने कहा कि इस आयोजन को भव्य बनाने में हमारी आयोजन समिति के सदस्यों, पार्षदों, कार्यकर्ताओं व निगम के अधिकारी कर्मचारियों का पूरा सहयोग रहा है, वहीं कोरबा के नागरिकबंधुओं ने इस आयोजन को अपना भरपूर प्यार व स्नेह देकर और अधिक गरिमापूर्ण बना दिया, जिसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ।

पोषण माह 2025 अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में विविध गतिविधियों का किया जा रहा आयोजन

कोरबा (आरएनएस)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास के मार्गदर्शन में जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण माह 2025 अंतर्गत विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा गतिविधि हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण के साथ-साथ सीखने के केन्द्र के रूप में दर्शाने के लिए पोस्टर, स्लोगन, बैनर इत्यादि के माध्यम से पोषण भी पढ़ाई भी थीम पर स्वदेशी खिलौनों का निर्माण एवं स्थानीय व्यंजनों से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जिसमें स्थानीयता को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी खिलौनों का निर्माण, स्थानीय व्यंजनों का प्रचार-प्रसार, स्थानीय समाग्री से कॉम्प्लिमेंटरी फीडिंग की प्रर्दशनी, स्वच्छता एवं हाथ धुलाई पर प्रशिक्षण, गर्भवती और धात्री माताओं के लिए समुदाय आधारित काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने वाले फल सब्जी तथा अनाज से बनाए जाने वाले पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी, पोषण से जुड़े पजल, क्विज भी जोड़ा गया। टीमों को पजल हल करने के लिए स्टेशनों पर रोकने जिसे बच्चों को सिखने में प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न स्थानीय खेलों का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण सरंक्षण की शपथ ली गई। स्वास्थ्य, आयुष, शिक्षा, यूनिसेफ़ उद्यानिकी, पंचायत व ग्रामीण विकास, विहान, योग आयोग विभाग इत्यादि के साथ समन्वय कर गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जिले के स्व सहायता समूह का समान अब मिलेगा फ्लिपकार्ट में

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग निहारिका बारीक के निर्देशन में आज शहीद स्मारक भवन, रायपुर में आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं के लिए राज्य स्तरीय ओरिएंटेशन/ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फ्लिपकार्ट के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें महिलाओं को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कारोबार से जुड़ने की विस्तृत जानकारी दी गई।

फ्लिपकार्ट के डायरेक्टर (कॉरपोरेट अफेयर्स, फ्लिपकार्ट समर्थ) गिरीश नायर ने महिलाओं को मार्केटप्लेस पर उत्पाद लिस्टिंग, पैकेजिंग, पिकअप एवं रिटर्न प्रक्रिया सहित ऑनलाइन व्यवसाय की संपूर्ण कार्यप्रणाली समझाई।

कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह रही कि रायपुर की बिहान समूह जोरन की महिला उद्यमी विनीता पाठक को फ्लिपकार्ट के ष्ठह्रह्र रजनीश कुमार की उपस्थिति में आधिकारिक रूप से फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस से जोड़ा गया। अब स्थानीय बाजार से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पाद बेच सकेंगी।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि रायपुर जिले की महिलाओं को देश और विदेश में व्यापार करने तथा मेड इन इंडिया एवं मेड इन छत्तीसगढ़ उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएँ और कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

विभिन्न वार्डों को विकास कार्यों के लिए दी करोड़ों की सौगात

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत आने वाले कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 में 3 नए विकास कार्यों, महात्मा गाँधी वार्ड क्रमांक 8 में दो नए विकास कार्यों, रानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्रमांक 10 में दो नए विकास कार्यों, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 32 में एक नए विकास कार्य, शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 51 में 5 नए विकास कार्यों का एक करोड़ 39 लाख 32 हजार रूपये की स्वीकृत लागत से नवीन आंगनबाड़ी भवनों सहित विभिन्न नए विकास कार्यों का भूमिपूजन कुशभाउ ठाकरे क्रमांक 7 के दलदल सिवनी में धीमर समाज भवन के समीप नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, नगर निगम जोन 9 जोन अध्यक्ष श्री गोपेश साहू, कुशाभाउ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद और एमआईसी सदस्य श्री खेम कुमार सेन सहित नगर निगम के सभी वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में करते हुए शानदार सौगात देंगे।

आदिवासी गौरव, शौर्य एवं बलिदान का प्रतीक होगा संग्रहालय : मंत्री नेताम

रायपुर । आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने आज नवा रायपुर में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के समीप निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय-सह स्मारक के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की परिकल्पना का परिणाम है कि जल्द ही छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक संग्रहालय-सह स्मारक धरातल पर दिखाई देगा। यह निर्माणाधीन संग्रहालय सदियों के लिए नई पीढ़ियों को पुरखों की याद दिलाता रहेगा। यह न सिर्फ आदिवासी वर्गों के लिए बल्कि देश-विदेश के लोगों के लिए भी प्रेरणास्पद होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का यह पहला संग्रहालय है, जो कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उच्च शौर्य एवं बलिदान को समर्पित है अतः इसके निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मंत्री श्री नेताम ने संग्रहालय के उद्घाटन के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में सुशासन और सभी वर्गों की बेहतरी के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राज्य के जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से कई अभिनव योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे जनजातीय वर्ग के जीवन स्तर में तेजी से बदलाव आ रहा है। मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर संग्रहालय में डिजीटलीकरण कार्य, दिव्यांगजनों हेतु पृथक पार्किंग व्यवस्था, सॉवेनियर शॉप, गार्डनिंग, वॉटर सप्लाई की स्थिति का भी निरीक्षण किया। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि संग्रहालय का लोकार्पण देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से राज्योत्सव के समय किया जाना है। संग्रहालय के निर्माण कार्यों में लगने वाली मूर्तियां, कैनवास वर्क, डिजिटल वर्क का बारीकी के साथ परीक्षण किया जा रहा है। संग्रहालय का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। मूर्तियों की स्थापना, लाईट, बिजली आदि का टेस्टिंग कार्य जारी है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने इस मौके पर संग्रहालय में प्रवेश से पूर्ण टिकट काउंटर पर लगे स्कैनिंग कार्य तथा प्रवेश द्वार में कुछ सुधार करने के संबंध में निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी विकास निगम के संचालक डॉ. जगदीश सोनकर, आदिम जाति विकास विभाग संयुक्त सचिव बीएस राजपूत, टीआरटीआई संचालक हिना अनिमेष नेताम, उपायुक्त गायत्री नेताम, निर्माण एजेंसी के अधिकारी, ठेकेदार, क्यूरेटर, इंजीनियर्स, आर्ट कलाकार एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। वीएफ्क्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क से तैयार हो रहा है जीवंत संग्रहालय संग्रहालय निर्माण में लगे क्यूरेटर प्रबल घोष ने बताया कि यह संग्रहालय-सह स्मारक आदिवासियों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बारीकी के साथ अध्ययन व रिसर्च के बाद वीएफ्क्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क के साथ तैयार किया रहा है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय देखने वाले आगंतुकों को आदिवासी विद्रोह का वर्णन स्टैच्यू के पास ही लगे डिजिटल बोर्ड पर उपलब्ध रहेगा।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की नई नीति तैयार, 1 नवंबर से होगी धान खरीदी की शुरुआत

किसानों को डिजिटल टोकन और मिलर्स को अतिरिक्त समय मिलेगा

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए नई धान खरीदी और कस्टम मिलिंग नीति तैयार कर ली है। यह नीति जल्द ही राज्य की कैबिनेट बैठक में मंजूरी के लिए पेश की जाएगी। मंजूरी मिलने के बाद इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया 1 नवंबर से आरंभ होने की संभावना है। सरकार इस बार व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और आसान बनाने की दिशा में कदम उठा रही है।

अब किसानों को टोकन लेने के लिए लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। सरकार की ओर से विकसित ÷तुहर ऐप÷ के जरिए किसान ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकेंगे। टोकन के आधार पर तय तिथि पर किसान आसानी से धान बिक्री केंद्र में धान बेच सकेंगे।

छोटे और सीमांत किसानों को मिलेगी प्राथमिकता

जिन किसानों के पास 2 से 10 एकड़ तक की जमीन है, उन्हें धान बेचने का पहला अवसर मिलेगा। यह कदम छोटे किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में उठाया गया है। अब मिलर्स को डिलीवरी ऑर्डर मिलने के बाद धान उठाने के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक क्विंटल धान की मिलिंग पर 80 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी।

गए धान में सूखत (नमी की कमी) बिल्कुल नहीं होगी, उन्हें 5 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। पिछले साल यह बोनस रोका गया था, लेकिन इस बार इसे दोबारा लागू किया जा रहा है।राज्य सरकार ने पहले उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई थी, लेकिन अब जानकारी मिल रही है कि नई केंद्रों की स्थापना फिलहाल नहीं होगी। इससे दूर-दराज़ के किसानों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

वनाधिकार पट्टा धारकों की फसलों का होगा पूरा सत्यापन

राज्य के जिन किसानों के पास वनाधिकार पट्टा है, उनकी फसलों का 100त्न सत्यापन खाद्य विभाग द्वारा किया जाएगा। इसके लिए ऐप का उपयोग किया जा रहा है और कई जिलों में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

दशहरा उत्सव के दौरान 3 लाख से अधिक नागरिकों को मिला स्वच्छता का संदेश

रायपुर,04 अक्टूबर(आरएनएस)। दशहरा उत्सव के अवसर पर रायपुर स्थित डब्ल्यूआरएस मैदान में स्वच्छ भारत मिशन को समर्पित एक विशेष पहल आयोजित की गई। इस दौरान स्वच्छोत्सव पर आधारित एक विशेष जागरूकता वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिसमें नागरिकों से अपील की गई कि वे त्योहारों को स्वच्छता के साथ जोड़कर मनाएँ।इस अनूठी पहल के माध्यम से 3 लाख से अधिक उपस्थित नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत आदत नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है, जो हमारे त्योहारों की गरिमा और समाज की सुंदरता को और बढ़ाती है।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री एवं अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह आयोजन रायपुर नगर निगम की प्रचार-प्रसार गतिविधि के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों के बीच स्वच्छता को उत्सव और जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाना है। स्वच्छता ही सेवा 2025 के संकल्प के साथ नागरिकों को प्रेरित किया गया कि वे त्योहारों में भी स्वच्छता अपनाकर समाज को एक सशक्त संदेश दें।

त्योहार में स्वच्छता – डब्ल्यूआरएस मैदान में दशहरा उत्सव के दौरान 3 लाख से अधिक नागरिकों को मिला संदेश

रायपुर । दशहरा उत्सव के अवसर पर रायपुर स्थित डब्ल्यूआरएस मैदान में स्वच्छ भारत मिशन को समर्पित एक विशेष पहल आयोजित की गई। इस दौरान स्वच्छोत्सव पर आधारित एक विशेष जागरूकता वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिसमें नागरिकों से अपील की गई कि वे त्योहारों को स्वच्छता के साथ जोड़कर मनाएँ।

इस अनूठी पहल के माध्यम से 3 लाख से अधिक उपस्थित नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत आदत नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है, जो हमारे त्योहारों की गरिमा और समाज की सुंदरता को और बढ़ाती है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री एवं अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह आयोजन रायपुर नगर निगम की प्रचार-प्रसार गतिविधि के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों के बीच स्वच्छता को उत्सव और जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाना है। स्वच्छता ही सेवा 2025 के संकल्प के साथ नागरिकों को प्रेरित किया गया कि वे त्योहारों में भी स्वच्छता अपनाकर समाज को एक सशक्त संदेश दें।

छत्तीसगढ़ की धरती सदा से रही है साहित्य और संस्कृति की धरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साहित्यिक, सांस्कृतिक और कलात्मक परंपराओं को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से विगत रात्रि आयोजित राज्य स्तरीय युवा कवि सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की पावन भूमि को नमन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती सदा से साहित्य और संस्कृति की धरा रही है।प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की पावन भूमि पर हुआ राज्य स्तरीय युवा कवि सम्मेलन का आयोजन

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाकवि कालिदास ने इसी धरती पर मेघदूत जैसे अमर काव्य की रचना की, वहीं गजानन माधव मुक्तिबोध और पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जैसे यशस्वी साहित्यकारों ने इसी मिट्टी से अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र रायगढ़ के सुप्रसिद्ध संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग का यह अभिनव प्रयास प्रदेश की कला, साहित्य और रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहन देने का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा साहित्यकारों, रचनाकारों और कलाकारों को निरंतर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रही है।मुख्यमंत्री श्री साय ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं से चयनित तीनों विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इस मंच के माध्यम से युवा कवियों को देश के ख्यातिलब्ध कवियों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे उनके रचनात्मक विकास को नई दिशा मिलेगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि यह सम्मेलन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा कवियों के लिए सीखने और सृजन की प्रेरणा का अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति आरंभ से ही समृद्ध रही है – यहाँ मनुष्य के जीवन से लेकर मृत्यु तक हर अवसर पर गीत गाए जाते हैं।उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब खेतों में बुआई का समय आता है, तो पूरे वातावरण में ददरिया की मधुर ध्वनि गूंजती है। यहाँ विविध वाद्य, गीत, नृत्य और लोककलाओं की अनूठी परंपरा रही है। श्री साव ने कहा कि यह प्रदेश संतों, महात्माओं और कवियों की कर्मभूमि रहा है, जहाँ से समाज को सदैव नई दिशा मिली है। उन्होंने प्रदेशभर से आए युवा कवियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली निगम जोन कमिश्नरों एवं सीएमओ की समीक्षा बैठक

कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि कार्यों की प्रगति समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित करें

रायपुर । कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज नगर निगम के सभी जोन कमिश्नरों एवं नगर परिषद/नगर पालिका सीएमओ की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अधोसंरचना विकास, पंद्रहवीं वित्त आयोग अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति, प्रधानमंत्री आवास योजना (1.0 एवं 2.0), अमृत मिशन, नालंदा परिसर की प्रगति, स्वच्छता रैंकिंग, सहित अन्य योजनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी कार्यों की प्रगति समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के प्रत्येक नागरिक तक पहुँचना प्राथमिकता है।

इस अवसर पर रायपुर निगम आयुक्त विश्वदीप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के रायपुर में 15 से 19 नवंबर 2025 के आयोजन की नागरिकों को जानकारी देने प्रमुख स्थानों पर बार कोड स्टीकर लगाया जा रहा

रायपुर, 04 अक्टूबर (आरएनएस)। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में दिनांक 15 नवंबर से 19 नवंबर 2025 तक होने जा रहे रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन की जानकारी नागरिकों को देने खेल महोत्सव का बार कोड स्टीकर राजधानी शहर रायपुर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर नगर निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर सभी जोनों की टीमों द्वारा लगवाया जा रहा है। विभिन्न शिक्षण संस्थाओं, चिकित्सालयों, वाचनालयों, स्कूलों, कॉलेजों, उद्यानों, सार्वजनिक स्थानों में रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव दिनांक 15 से 19 नवंबर 2025 के रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में होने जा रहे आयोजन की जानकारी महोत्सव आयोजन के बारकोड स्टीकर को लगाकर दी जा रही है. इसमें दिए क्यूआर कोड को स्कैन करके फार्म भरकर कोई भी नागरिक आयोजन में सम्मिलित हो सकता है.

रायपुर शहर में भूगर्भ जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए नगर निगम में तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला

महापौर मीनल चौबे और जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू पहुँचे

रायपुर । भारत सरकार के शहरी और आवासन कार्य मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल इंस्टिट्यूट फार अर्बन अफेयर्स द्वारा नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेस को रायपुर शहर में भूगर्भ जल के स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कलस्टर पार्टनर नियुक्त किया है। नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेस के राणा चटर्जी ने गंगदास सैनी सहित आज रायपुर शहर में भूगर्भ जल के स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन स्रूरू 2.0 के क्रियान्वयन कार्य प्रारम्भ करने तकनीकी प्रशिक्षण रायपुर नगर पालिक निगम के अभियंताओं को दिया। अभियंताओं की तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला में रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे और जल कार्य विभाग के अध्यक्ष संतोष सीमा साहू पहुँचे. इसमें शहर के जियो हाईड्रोलॉजिस्ट विपिन दुबे, डॉ. के. एल. पाणीग्रही सम्मिलित हुए. नगर निगम के मुख्य अभियंता यू. के धलेन्द्र सहित केन्द्रीय भूजल बोर्ड, छत्तीसगढ़ राज्य जल संसाधन विभाग, नगर निवेश विभाग, जल कार्य विभाग,लोक कर्म विभाग, पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग के कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंताओं, उप अभियंताओं, जोनों के अभियंताओं की उपस्थिति तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला में रही। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि रायपुर शहर में तेजी के साथ भूगर्भ जल का स्तर नीचे गिरता जा रहा है, ऐसे में इसका संरक्षण और संवर्धन कार्य वैज्ञानिक तरीके से किया जाना अत्यंत आवश्यक है। महापौर ने नगर निगम अभियंताओं को शहर में यह कार्य प्राथमिकता से करने कहा। जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू ने भू गर्भ जल के स्तर के संरक्षण और संवर्धन का कार्य तकनीकी दक्षता सहित पूरी गंभीरता के साथ करने कहा। शैलो एक्विफर मैनेजमेंट स्रूरू 2.0 के नोडल अधिकारी नगर निगम सहायक अभियंता योगेश कडु ने शैलो एक्विफर मैनेजमेंट स्रूरू 2.0 कार्यक्रम और उद्देश्य की संक्षिप्त जानकारी दी. नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेस के राणा चटर्जी और गंगदास सैनी ने कार्यक्रम में शैलो एक्विफर मैनेजमेंट स्रूरू2.0 के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और अभियंताओं को तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन दिया।

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम को पुलिस ने किया नजर बंद, टाटीबंध के पास रोका

रायपुर। पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर को नजरबंद किया है। वो अपने ही सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने जा रहे थे। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने उन्हें एम्स के पास टाटीबंध में उनके एक रिश्तेदार के यहां उन्हें रोक लिया। वो सीएम-हाउस के बाहर धरने पर बैठने वाले थे। पूर्व गृहमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर कोरबा जिला कलेक्टर को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। वे धरने पर बैठने के लिए शनिवार को रायपुर पहुंच गए थे। रायपुर पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर को नजरबंद किया है। वो अपने ही सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने जा रहे थे। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने उन्हें एम्स के पास रोक लिया। वो सीएम-हाउस के बाहर धरने पर बैठने वाले थे। उनके साथ सैकड़ों समर्थक यहां पहुंचे हुए थे। समर्थकों की तलाश पुलिस कर रही है। पूर्व गृहमंत्री कंवर ने कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफ 14 बिंदुओं पर शिकायत कर राज्य सरकार से उन्हें हटाने की मांग की थी। उन्होंने कोरबा कलेक्टर को नहीं हटाने पर 4 अक्टूबर से धरने पर बैठने की चेतावनी दी थी। इस बीच, राज्य शासन ने पूर्व मंत्री के शिकायती पत्र पर बिलासपुर संभागायुक्त सुनील जैन से जांच प्रतिवेदन मांगा है। हालांकि राज्य शासन की ओर से पूर्व मंत्री के शिकायती पत्र की जांच के संबंध में लिखित तौर पर संभागायुक्त को अभी तक कोई आदेश नहीं दिया गया है। संभागायुक्त सुनील जैन ने बताया गया है कि कोरबा कलेक्टर के खिलाफ जांच के संबंध में राज्य शासन से लिखित में अभी कोई आदेश मिला है। शासन से आदेश मिलने के बाद आदेशानुसार जांच कर रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। वहीं, उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि कोरबा कलेक्टर के खिलाफ पूर्व मंत्री के शिकायती पत्र के संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है और जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)